● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 166, पृष्ठ : 08, सीधी, शुक्रवार, 25 जुलाई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

सिद्धारमैया शुरू कराने जा रहे नया सर्वेक्षण 5

आयुष म्हात्रे ने रचा इतिहास 6

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों की जगह नहीं : पीएम

भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

लंदन। भारत और ब्रिटेन ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। इससे ब्रिटिश व्हिस्की, कारों और कई वस्तुओं पर टैरिफ में कमी आएगी। इसके साथ ही द्विपक्षीय व्यापार में सालाना लगभग 34 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी होगी।

समझौते के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज हमारे संबंधों में एक ऐतिहासिक दिवस है। मुझे खुशी है कि कई वर्षों की मेहनत के बाद आज दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता संपन्न हुआ है। समझौता महज आर्थिक साझेदारी नहीं है, बल्कि साझा समृद्धि की योजना है। ये समझौता भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कठोर निंदा के लिए हम प्रधानमंत्री स्टार्मर और उनकी सरकार का आभार व्यक्त करते हैं। हम इस बात पर भी सहमत हैं, कि अतिवादी विचारधारा वाली शक्तियों को लोकतांत्रिक आजादी का दुरुपयोग नहीं करने दिया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि हिंद-प्रशांत में शांति और स्थिरता, यूक्रेन में चल रहे संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति पर हम विचार साझा करते रहे हैं। सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान अनिवार्य है। आज के युग की मांग विस्तारवाद नहीं विकासवाद ही है।

पीएम मोदी ने कहा कि पहले मैं प्रधानमंत्री स्टार्मर के गर्मजोशी भरे स्वागत-सत्कार के लिए, हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। आज हमारे संबंधों में एक एतिहासिक दिन है। मुझे खुशी है कि कई वर्षों की मेहनत के बाद आज दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता संपन्न हुआ है। एक ओर भारतीय टेक्सटाइल्स, फुटवियर, रत्न और आभूषण, सी-फूड और इंजीनियरिंग गुड्स को ब्रिटेन में बेहतर बाजार पहुंच मिलेगी।

उन्होंने कहा, भारत के ऐग्रिकल्चर उत्पादन और प्रोसेस्ड फूड उद्योग के लिए ब्रिटेन के बाजार में नए अवसर बनेंगे। भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई सेक्टर के लिए यह समझौता विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। वहीं दूसरी ओर भारत के लोगों और उद्योग के लिए ब्रिटेन में बने उत्पाद जैसे मेडिकल डिवाइसेज और एयरोस्पेस पार्ट्स सुलभ और किफायती दरों पर उपलब्ध हो सकेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि अगले दशक में हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति और ऊर्जा देने के लिए, आज हम विजन 2035 पर भी बात करेंगे। यह टेक्नोलॉजी, डिफेंस, क्लाइमेट, एजुकेशन और पीपल-टू-पीपल कनेक्ट के क्षेत्रों में एक मजबूत, भरोसेमंद और महत्वाकांक्षी साझेदारी का रोडमैप होगा।

इससे पहले वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और उनके ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टारमर की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

मप्र को औद्योगिक और रोजगार संपन्न राज्य बनाएंगे : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे उद्योग और कारखाने मंदिरों की तरह हैं, जो लोगों के कष्ट मिटाते हैं। मध्यप्रदेश में उद्योगों का निरंतर जाल फैलाया जा रहा है। प्रदेश के युवाओं को पलायन की आवश्यकता नहीं है, नए उद्योग शुरू होने से प्रदश में तेजी से समृद्धि आएगी। युवाओं को रोजगारपरक उद्योगों में प्रोत्साहन देते हुए 5 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। मध्यप्रदेश को औद्योगिक और रोजगार संपन्न राज्य बनाएंगे और मध्यप्रदेश देश का नंबर एक राज्य होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को भोपाल के निकट अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में 416 करोड़ रूपये निवेश वाली 6 नवीन औद्योगिक इकाईयों के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अचारपुरा विशेष औद्योगिक केन्द्र के रूप में उभरेगा। उन्होंने अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र एक्सटेंशन फेज-3 (ग्राम हज्जामपुर) का शिलान्यास भी किया, जो 31.21 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपति उद्योग लगाने के लिए आ रहे हैं। अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में आज हर पीढ़ी के उद्यमी हैं। जहां गोकलदास एक्सपोर्टस प्रा.लि. के श्री प्रभात सिंह उपस्थित हैं वहीं सिनाई हेल्थकेयर के युवा श्री आदित्य शर्मा और एसेड्स प्राइवेट लिमिडेट के श्री रौनक चौधरी की उपस्थिति प्रसन्नता प्रदान कर रही है। अचारपुरा की तस्वीर बदल गई है। सावन का समय है और यहां उद्योगों की वर्षा हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सहित देशभर में उद्योग-व्यापार का वातावरण बना है।

कोर्ट के फैसले का इंतजार करें, वरना बेबुनियाद आरोप न लगाएं

राहुल गांधी को चुनाव आयोग की दो टूक

बंगलूरू। राहुल गांधी के कर्नाटक चुनाव संबंधी आरोपों पर भारत निर्वाचन आयोग करारा जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि अगर चुनाव याचिका दायर की गई है तो माननीय उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो पा रहा, तो अब बेबुनियाद आरोप क्यों लगा रहे हैं? इससे पहले राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि कांग्रेस के पास इस बात के 100 फीसदी सबूत हैं कि चुनाव आयोग ने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में धांधली होने दी। उन्होंने चुनाव आयोग को चेतावनी दी कि वह इससे बच नहीं पाएंगे, क्योंकि हम ऐसा होने देंगे और आपके पीछे आएंगे। इस पर चुनाव आयोग ने जवाब देते हुए कहा कि अगर चुनाव याचिका दायर की गई है, तो माननीय उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार करें। अगर नहीं, तो अब बेबुनियाद आरोप क्यों लगा रहे हैं? दरअसल, चुनाव परिणाम घोषित होने के 45 दिनों के अंदर फैसले से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति चुनाव याचिका दायर कर सकता है।

ऐसी याचिकाएं संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के राज्य के उच्च न्यायालयों में दायर की जा सकती हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भारत के चुनाव आयोग की तरह काम नहीं कर रहा है। वह अपना काम ही नहीं कर रहा है। जब राहुल से बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और राजद नेता तेजस्वी यादव की बिहार विधानसभा चुनावों का बहिष्कार करने के विकल्प वाली टिप्पणी के बारे में पूछा गया उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी के पास कर्नाटक की एक सीट पर चुनाव आयोग की ओर से धोखाधड़ी की अनुमति देने के 100 प्रतिशत ठोस सबूत हैं।

कांग्रेस ने फिर उठाए धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को लेकर लगातार सवाल उठा रही है। विपक्षी पार्टी ने अब उनके लिए एक विदाई समारोह की मांग की है। हालांकि, सरकार की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। यह मांग बुधवार शाम व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उठाई।

सूत्रों के मुताबिक, इस मांग पर सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा और किरेन रिजिजू ने इस विषय पर कुछ नहीं कहा।

दुनिया में बेनकाब हुआ पाकिस्तान : कीर्तिवर्धन

नई दिल्ली। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में लिखित जवाब में कहा कि भारत ने पाकिस्तान से फैल रहे सीमा पार आतंकवाद के खतरे को लेकर सभी संबंधित पक्षों को लगातार सतर्क किया है। लगातार कोशिशों के कारण अब दुनिया भारत की चिंताओं को बेहतर तरीके से समझ रही है। भारत के प्रयासों से कई पाकिस्तान-आधारित आतंकवादियों और आतंकी संगठनों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 1267 प्रतिबंध समिति के तहत सूचीबद्ध किया गया है। साथ ही, पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में भी डाला गया।

उन्होंने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद यूएनएससी के प्रेस बयान में इस हमले की कड़ी निंदा की गई और यह माना गया कि हमले के दोषियों, योजनाकारों, समर्थकों और फंड देने वालों को सजा मिलनी चाहिए। कई वैश्विक नेताओं ने पहलगाम हमले के बाद भारत के आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों का समर्थन किया है। हाल ही में अमेरिका ने द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी (एसडीजीटी) घोषित किया है। यह पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है।

मंत्री ने आगे कहा, भारत सरकार बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों की लगातार निगरानी करती है और उनका रिकॉर्ड रखती है। इसमें लोगों, उनके घरों, दुकानों और धार्मिक स्थलों पर हुए हमले शामिल हैं। भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनकी सुरक्षा की चिंता को हर जरूरी मंच पर उठाया है।

सत्ता पक्ष के लोग सदन नहीं चलाना चाहते : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सत्ता पक्ष पर आरोप लगाया है कि वे ही सदन नहीं चलाना चाहते। उन्होंने कहा कि सदन में विपक्ष नेताओं को बोलने नहीं दिया जाता। प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी ने अन्य विपक्षी सांसदों के साथ संसद परिसर में बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर विरोध प्रदर्शन भी किया।

प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि जब भी विपक्ष के नेता सदन में बोलना चाहते हैं तो उन्हें बोलने की इजाजत नहीं दी जाती। हम चर्चा की मांग कर रहे हैं और उन्हें ये मांग माननी चाहिए।

एक साथ दो मगरमच्छों से भिड़े गांव वाले

एटा। एटा ब्लॉक अवागढ़ क्षेत्र के गांव सुर्जी में बृहस्पतिवार को सिंघाड़े के तालाब में दो मगरमच्छ दिखाई दिए। इसके कारण ग्रामीणों में दहशत फैली हुई है। वन विभाग की टीम ने अभी तक मगरमच्छ का रेस्क्यू नहीं किया है। सुर्जी गांव में बृहस्पतिवार की सुबह सिंघाड़े के तालाब में दो मगरमच्छ दिखाई दिए। इसका सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हुआ। दो लोग सिंघाड़े के तालाब में मगरमच्छ को पकड़ने का प्रयास कर रहे थे। हाथ में भाला और लाठी लेकर मगरमच्छ को पानी में खोजते रहे मगर पानी अधिक होने की वजह से मगरमच्छ नहीं पकड़ा जा सका। जलेसर क्षेत्र के रेंजर गिरिजेश तिवारी ने बताया कि मगरमच्छ का रेस्क्यू करने की तैयारी की जा रही है। वन विभाग कार्यालय में इसकी सूचना दे दी गई है। गौरतलब है कि इससे पहले अवागढ़ विकासखंड क्षेत्र के गांव कुशवा के तालाब में मंगलवार को मगरमच्छ का वीडियो वायरल होने के बाद ग्रामीण भयभीत थे। सूचना वन विभाग को दी गई। तालाब के आसपास कीचड़ अधिक होने की वजह से टीम तालाब तक नहीं पहुंच सकी।

49 यात्रियों को लेकर जा रहा रूसी विमान क्रैश हुआ

किसी के बचने की संभावना नहीं

मास्को। रूसी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रूस-चीन सीमा पर लापता हुआ रूसी विमान क्रैश हो गया है और उसमें सवार सभी 49 लोगों की मौत हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, विमान में क्रैश होकर आग लग गई। हादसे में किसी के बचने की संभावना नहीं है। घटनास्थल पर रूस के सिविल डिफेंस और अग्निशमन दल की टीमें मौजूद हैं। कुछ देर पहले रूस के एक स्थानीय अधिकारी ने विमान के लापता होने की जानकारी दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि रूसी एयर

ट्रैफिक कंट्रोल का विमान से संपर्क पूर्वी अमूर क्षेत्र में टूटा। यह इलाका रूस और चीन की सीमा पर स्थित है। लापता विमान साइबेरिया स्थित अंगारा एयरलाइंस का एंटोनोव-24 विमान था।

रूसी एजेंसी ताश के अनुसार, अंगारा एयरलाइंस का विमान बलागोवेशचेंस्क से चीन सीमा पर मौजूद अमूर क्षेत्र के टाइंडा एयरपोर्ट जा रहा था। विमान में 43 यात्री, जिनमें पांच बच्चे शामिल थे और साथ ही क्रू के छह सदस्य सवार थे। स्थानीय गवर्नर वेसिली ओरलोव ने टेलीग्राम पर साझा एक पोस्ट में बताया था कि विमान की तलाश की जा रही है। जिस वक्त विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूटा, उस वक्त विमान अपने गंतव्य स्थल से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर था। एक बयान में टाइंडा एयरपोर्ट के निदेशक ने बताया है कि विमान के क्रैश होने के बाद उसमें आग लग गई। एक एमआई-8 हेलीकॉप्टर के क्रू ने इलाके के हवाई सर्वे के बाद बताया कि हादसे में किसी के बचने की संभावना नहीं है।

रूसी आपात स्थिति मंत्रालय ने बताया कि विमान का मलबा मिल गया है, लेकिन मंत्रालय ने आगे और कोई जानकारी नहीं दी।

अपराधी समाज के लिए खतरा : शाइना एनसी

मुंबई। 2006 के मुंबई धमाकों के सिलसिले में 12 आरोपियों को बरी करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से रोक लगा दी गई। इसके बाद शिवसेना नेता शाइना एनसी ने गुरुवार को कहा कि अपराधी बचकर समाज के लिए खतरा पैदा नहीं कर सकते। बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्चर्य व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए शाइना एनसी ने कहा, 2006 के मुंबई 7/11 ट्रेन विस्फोट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की ओर से 12 आरोपियों को बरी करना चौंकाने वाला है। मुझे खुशी है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सरकार ने इस फैसले का विरोध किया और इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। हमें उम्मीद है कि अदालत पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए आगे की जांच करेगी। वे समाज के लिए खतरा हैं और इस मुद्दे को गंभीरता से और पूरी एकजुटता के साथ संबोधित किया जाना चाहिए।

कुसमरिया बने मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष

भोपाल। मोहन सरकार ने वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री रामकृष्ण कुसमरिया को मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति मुख्यमंत्री मोहन यादव की सहमति के बाद की गई है। कुसमरिया को आयोग के शेष कार्यकाल तक पद पर बने रहने के आदेश दिए गए हैं। यह नियुक्ति राज्य शासन के दिनांक 02.09.2021 को गठित आयोग की अधिसूचना के तहत की गई है। इस आशय का आदेश बुधवार को पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी किया गया। बता दें मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27% आरक्षण देने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है।

देश की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम

सीआईएसएफ और सेना ने एक साथ किया प्रशिक्षण

नई दिल्ली। देश की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने भारतीय सेना के साथ मिलकर एक बड़ा संयुक्त प्रशिक्षण अभियान पूरा किया है। इस पहल का उद्देश्य सीआईएसएफ को तेजी से बदलते सुरक्षा खतरों का सामना करने के लिए तैयार बनाना है। यह पहली बार है जब कश्मीर घाटी में तैनात सेना की विशिष्ट यूनिट्स में सीआईएसएफ के बड़े बैचों को उन्नत युद्ध प्रशिक्षण दिया गया है। पहले जहां केवल कुछ ही जवानों को ऐसी ट्रेनिंग का मौका मिलता था, अब बड़ी संख्या में कर्मियों को शामिल किया गया है। इससे दोनों बलों के बीच बेहतर तालमेल और देश की सुरक्षा को लेकर सरकार की गंभीरता का संकेत मिलता है। सीआईएसएफ के जवानों को ड्रोन हमलों, आतंकी हमलों, अंदरूनी खतरे और तोड़फोड़ जैसे जटिल हालात से निपटने की विशेष ट्रेनिंग दी गई। इसमें रात में ऑपरेशन, जंगल युद्ध कौशल, नजदीकी मुकाबले की तकनीक और लंबी दूरी की थकावट वाली ड्रिल शामिल थीं। यह प्रशिक्षण खासतौर पर सीआईएसएफ की क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) के लिए था, जो देशभर की 369 इकाइयों में तैनात है और किसी भी खतरे पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देती है।

नई तकनीकों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए : भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि उभरती हुई तकनीकों का समाज और मजदूर बाजार पर क्या असर होगा, इसका मूल्यांकन किया जाना चाहिए ताकि ये नई तकनीकें रोजगार के अवसरों को नुकसान न पहुंचाएं। वे दिल्ली में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया समेत कई मजदूर संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। तकनीक को ठुकराया नहीं जा सकता, लेकिन उसका असर देखना जरूरी

मोहन भागवत ने कहा, नई तकनीकें आ रही हैंज और जब नई तकनीक आती है, तो कई नए सवाल खड़े होते हैं। क्या इससे बेरोजगारी कम होगी या बढ़ेगी? उन्होंने स्पष्ट रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि तकनीक इंसान के स्वभाव को थोड़ा कठोर बना देती है और इससे श्रम के प्रति सम्मान भी कुछ हद तक कम होता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, तकनीक को ठुकराया नहीं जा सकता। नई तकनीक तो आएगी ही। लेकिन हमें यह देखना होगा कि उसका मजदूरों पर बुरा असर न पड़े। मोहन भागवत ने कहा कि तकनीकों का इस्तेमाल ऐसा होना चाहिए जिससे समाज में सुख और संतुलन आए, न कि नई समस्याएं पैदा हों। उन्होंने कहा, इस पर हमें सोचने और काम करने की जरूरत है।

मोहन भागवत ने यह भी कहा कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को भी ध्यान में रखना चाहिए ताकि वे अपने नियोक्ताओं से किसी तरह का शोषण न झेलें। उन्होंने कहा, असंगठित क्षेत्र बहुत विशाल है और संगठित क्षेत्र के भीतर भी कई लोग अब भी असंगठित हैंज सभी क्षेत्रों में मजदूरों को न्याय और सम्मान दिलाने के लिए काम करना होगा।

मोहन भागवत ने भारतीय मजदूर संघ की 70 साल की यात्रा को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा, जब दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने 1955 में बीएमसी की स्थापना की थी, तब यह बहुत छोटा संगठन था और कई लोग इसका मजाक उड़ाते थे। लेकिन आज यह दुनिया का सबसे बड़ा मजदूर संगठन बन चुका है। उन्होंने कहा कि बीएमएस के कार्यकर्ताओं की मेहनत और सिद्धांतों की वजह से ही आज यह संगठन इस मुकाम पर पहुंचा है।

मोहन भागवत ने कहा, हम धर्म की बात करते हैं, मजहब की नहीं। धर्म वह है जो समाज को जोड़ता है, ऊपर उठाता है और सबको हर समय सुख देता है। उन्होंने कहा कि बीएमएस का यह 70वां वर्ष सिर्फ उत्सव का नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी समय है- कि संगठन ने कैसे शुरुआत की, क्या हासिल किया और आगे क्या करना है। कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि हर ट्रेड यूनियन की कार्यशैली उसकी विचारधारा के अनुरूप होती है, लेकिन बीएमएस ने भारतीय जीवनशैली के आधार पर अपनी कार्य संस्कृति बनाई है, जो सरकार के साथ श्रमिकों के मुद्दों पर चर्चा में दिखती है।

नशा मुक्ति अभियान बना मजाक, शहर में 15 जगह बिक रहा गांजा !

पुलिस-दरोगा और दाई सहित सभी अवैध कारोबारियों से वसूलते हैं महीना

सिंगरौली। एक तरफ पीएचक्यू प्रदेश भर में नशा के खिलाफ अभियान चला कर लोगों को नशा के दुष्परिणामों को लेकर जागरुक कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ कोतवाली थाना क्षेत्र के शहरी इलाकों में ही 15 से ज्यादा लोग गांजा के अवैध कारोबार खुलेआम कर रहे हैं। पुलिस का नशा मुक्ति अभियान सिर्फ दिखावा साबित हो रहा हैं, जिससे अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद होते नजर आ रहे हैं।

बता दे की पुलिस 15 जुलाई से नशा मुक्ति अभियान के तहत जिले भर के स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों में नशा अभियान चला कर नशा से दूरी और दुष्परिणामों की बात जरूर करते हैं, लेकिन नशा का कारोबार कहां से हो रहा है, उस जड़ को काटने की दिशा में किसी भी तरह का प्रयास नहीं किया जा रहा। नतीजा शहर में इन दिनों गांजे का कारोबार धड़ल्ले से किया जा रहा है, शहर की गलियों में बिक रही नशीली वस्तुएं युवाओं की जिंदगी तबाह कर रही हैं। शहरी क्षेत्र में दरोगा और दाई खुलेआम नशे का कारोबार कर रहे हैं। हालात यह है कि शहर में जगह-जगह खुलेआम पुलिस-प्रशासन के आंख के नीचे गांजे का कारोबार हो रही है। शहर के गली मोहल्लों में गांजा आसानी से मुहैया हो रहा है। लेकिन पुलिस प्रशासन धृतराष्ट्र की भूमिका में मशरूफ है। यही वजह है कि गांजे का अवैध कारोबार करने वालों के हौसले बुलंद हैं। सूत्रों का दावा है कि पुलिस इन गांजा के कारोबारी से प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपए महीना लेकर इन्हें गांजा बेचने की छूट दे रखी है।

कोतवाली क्षेत्र के शहरी इलाकों में माजन मोड़, माजन खुर्द बस्ती, गनियारी पहाड़ी टोला, कचनी विजय बंधु पेट्रोल पंप के पास अलग- अलग तीन महिलाएं, नौगढ़ आहूजा टंकी के पीछे एक घर में नौगढ़ में गोमती में, नौगढ़ में दरोगा और दाई, हिर्रवाह, सिंगरौलिया, परसौना में दिव्यांग व्यक्ति, परसौना में नहर के पास, गड़हरा स्कूल के आसपास खुले रूप से गांजे का व्यापार किया जाता है। बिना पुलिस के जानकारी के खुलेरूप से गांजा बेचना व पीना संभव नही है। कहीं ना कहीं इन अवैध धंधा में लगे लोगों को पुलिस का संरक्षण प्राप्त है। एक तरफ खुलेआम गांजा का कारोबार हो रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ नशा मुक्ति अभियान पखवाड़ा चलाया जा रहा है। यह अभियान सिर्फ फोटो और कागजों तक सीमित रह गया है। पीएचक्यू द्वारा अवैध कारोबार को लेकर चलाए जा रहा अभियान महज खानापूर्ति तक ही सीमित रह गया है। शहरी क्षेत्र में खुले रूप से गांजा बेचते हुआ लोगों को गांजा पीते आसानी से देखा जा सकता है। बावजूद पुलिस कुछ नही कर पाते, समझ से परे है कि खुले आम गांजा बिकना व पीना किस ओर इशारा करती है। बिना पुलिस के जानकारी के खुलेरूप से गांजा बेचना व पीना संभव नही है। कहीं ना कहीं इन अवैध धंधा में लगे लोगों को पुलिस का संरक्षण प्राप्त है।

प्रभारी मंत्री संपतिया उईके ने अमन शुक्ला को दी बधाई

सिंगरौली। बीते दिवस दिल्ली में आयोजित नेशनल ओपन चैंपियनशिप गेम्स आयोजित किया गया था, जिसमे म.प्र. सहित हर राज्य के खिलाड़ी शामिल हुए थे। वही म.प्र. के सिंगरौली जिले से योगा गेम में शामिल होने पत्रकार संतोष शुक्ला के बेटे अमन शुक्ला एवं बेटी खुशी शुक्ला भी शामिल हुई थी। जिसमें योगा में अमन शुक्ला ने प्रथम स्थान लाकर गोल्ड मेडल एवं प्रमाण पत्र प्राप्त किए थे, वहीं खुशी शुक्ला ने योगा में द्वितीय स्थान लाकर सिल्वर गोल्ड मेडल व प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रदेश व जिले सहित माता-पिता का नाम रोशन किए है । वही सिंगरौली दौरे में आयी जिले की प्रभारी मंत्री संपतिया उईके, राज्यमंत्री राधा सिंह, कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला, विधायक रामनिवास शाह, राजेंद्र मेश्राम, धौहानी विधायक कुंवर सिंह टेकाम, जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह, थाना प्रभारी नवानगर कपूर त्रिपाठी ने बधाई दी।

भारतीय जनता पार्टी ने तीन होल्ड मण्डल अध्यक्षों के नाम का किया ऐलान

जयंत के निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष को लगा तगड़ा झटका

सिंगरौली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने जिले के होल्ड तीन भाजपा मण्डल अध्यक्षो के नाम की घोषणा किया है। जिसमें सरई, जयंत व निवास मण्डल शामिल है। इधर सबसे ज्यादा कसमकस भाजपा मण्डल जयंत के लिए था। निवर्तमान अध्यक्ष संदीप झा एवं उनके समर्थको को तगड़ा झटका लगा है।

गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी मण्डलों के चुनाव के दौरान करीब आधा दर्जन मण्डलों ने निर्वाचन के लिए बनाये गये गाईड लाईन का पालन न करने का आरोप लगाया गया था। जहां भाजपा प्रदेश निर्वाचन कार्यालय मण्डलों के चुनाव को स्थगित कर होल्ड कर दिया गया था। पिछले पखवाड़ा बरगवां मण्डल के अध्यक्ष का ऐलान हुआ था। वही काफी दिनों बाद निवास, सरई एवं जयंत मण्डल अध्यक्षों के नाम का घोषणा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने किया है। जिसमें जयंत मण्डल में कमलेश वर्मा पार्षद, सरई मण्डल रामधनी यादव जनपद सदस्य एवं निवास मण्डल में इन्दू शाह को मण्डल अध्यक्ष बनाया गया है। हालांकि अभी देवसर एवं जियावन मण्डल के अध्यक्ष पद होल्ड में हैं। यहां सिहावल विधायक ने निर्वाचन के दौरान आपत्ति जताया था। तीन मण्डलों में से सबसे ज्यादा चर्चा जयंत मण्डल को लेकर था। जहां कुछ नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई थी और मानकर चल रहे थे कि संदीप झा दोबारा रिपिट होंगे। लेकिन प्रदेश संगठन ने संदीप झा को तगड़ा झटका देते हुये पार्षद कमलेश वर्मा को मण्डल अध्यक्ष घोषित कर लोगों को चौका दिया। हालांकि भाजपा की एक धड़ा पहले से ही कमलेश वर्मा के पक्ष में था। किंतु संदीप झा एवं उनके समर्थक बड़े दिग्गज नेता कमलेश को नजरअंदाज कर रहे थे। परंतु प्रदेश नेतृत्व ने उनकी ही बात नही माना।

श्री ज्वालामुखी मंदिर समीप ट्रक ड्राइवर से हो रही तीर्थ यात्रियों को असुविधाएं

सिंगरौली। स्थानीय शक्तिपीठ श्री ज्वालामुखी मंदिर समीप एनटीपीसी तृतीय चरण परियोजना निर्माण कार्य से संबंधित स्टील यार्ड एवं वेब्रिज बनाया गया है, जिसके कारण मंदिर के प्राचीन मुख्य मार्ग के पास सैकड़ो की तादात में ट्रक-ट्रेलर व बल्कर दिन-रात खड़े रहते हैं। जिस कारण मंदिर पर आने वाले तीर्थ यात्री दर्शनार्थियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि ट्रक ड्राइवर द्वारा मंदिर प्रांगण के समीप मांस-मदिरा का सेवन किया जाता है, जिससे मंदिर की पवित्रता एवं धार्मिक वातावरण दूषित हो रहा है। जानकारी पर पता चला कि इसमें अधिकांश गाड़ियां सिमर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एवं अन्य संविदा कंपनियों की बताई जा रही हैं। इस संबंध में मंदिर के प्राधिकृत पुजारी हेमंत मिश्रा द्वारा परियोजना प्रबंधन को अवगत कराया जा चुका है। पर परियोजना प्रबंधन द्वारा अब तक इन गाड़ियों को नहीं हटाया गया है और प्रतिदिन सैकड़ो के गाड़ियों का आने-जाने का कर्मचारी रहता है।

प्रभारी मंत्री हनुमान मंदिर पहुंचकर टेका माथा

सिंगरौली। जिले के दो दिवसीय प्रवास पर आई जिले की प्रभारी मंत्री संपतिया उईके मंत्री म.प्र. शासन पीएचई ने बैढ़न हनुमान मंदिर में पहुंचकर हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं जिले के खुशहाली के लिए कामना की। इस अवसर राज्यमंत्री राधा सिंह, द्वय विधायक रामनिवास शाह, राजेन्द्र मेश्राम, ननि अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह मौजूद रहे।

पीएम श्री एयर एम्बुलेश सेवा से गंभीर पीड़ित व्यक्ति को मिला जीवनदान

कलेक्टर की संवेदनशीलता से लौटी एक परिवार में खुशी

सिंगरौली। कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के संवेदनशीलता से गंभीर पीड़ित व्यक्ति को सही समय पर उपचार मिलने से मिला जीवनदान एवं लौटी एक परिवार की खुशियां।

विगत दिवस संदीप सिंह बैढ़न निवासी को अचानक सास लेने में दिक्कत होने लगी। परिवार के सदस्यों के द्वारा तत्काल नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। मरीज के चेकअप के बाद चिकित्सालय के चिकित्सको के द्वारा लगातार बीपी में गिरावट एवं किडनी में गंभीर समस्या बताते हुये मरीज को बड़े चिकित्सालय वाराणसी या लखनऊ में ईलाज कराने को कहा गया एवं अति शीघ्र चिकित्सालय में भर्ती कराने

की सलाह दी गई। मरीज के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उसके पास कोई ऐसा विकल्प नही था कि कम समय में जिले के बाहर के बड़े चिकित्सालय में भर्ती कराया जा सके। मरीज के परिजनों द्वारा कलेक्टर को फोन लगाकर वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुये निवेदन किया कि यदि शीघ्र बड़े अस्पताल में नही गये तो मरीज की और भी गंभीर स्थिति हो जायेंगी।

कलेक्टर ने परिजनो के निवेदन को गंभीरता पूर्वक संज्ञान में लेते हुये उच्च स्तर पर पीएम श्री एयर एम्बुलेंस की मांग की गई, जिसके फल स्वरूप भोपाल से एयर एम्बुलेंस भेजा गया तथा गंभीर मरीज संदीप सिंह को एम्स भोपाल में समय पर उपचार मिलना चालू हो गया, जिससे की वर्तमान स्थिति में मरीज के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। कलेक्टर की इस पहल पर गंभीर मरीज को सही समय पर उपचार मिला। वही परिवारजनो द्वारा इस योजना के लिए देश के प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कोयला लदे दो ट्रेलरों की आमने-सामने टक्कर, दोनों चालक गंभीर रूप से घायल

जयंत क्षेत्र में हुआ हादसा, पुलिस जांच में जुटी

सिंगरौली। जिले के जयंत क्षेत्र में आज दिन गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा सामने आया, जहां कोयले से लदे दो ट्रेलरों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों ट्रेलरों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें स्थानीय लोगों एवं पुलिस की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर काफी तेज गति में थे और मोड़ पर संतुलन बिगड़ने से आमने-सामने आ गए, जिससे जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर के बाद ट्रेलरों का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जयंत पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए एनसीएल के चिकित्सालय भेजा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आदर्श ग्राम खोखवा में नवांकुर सखी कार्यक्रम हुआ आयोजित

म.प्र. जन अभियान परिषद निकाय भोपाल के सदस्य रहे अतिथि

सिंगरौली। विकास खंड चितरंगी में नवांकुर रामचंद्र सेवा समिति सेक्टर चितरंगी में नवांकुर सखी का आयोजन आदर्श ग्राम खोखवा में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि म.प्र. जन अभियान परिषद निकाय के सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत की सरपंच फुलकुवर कर रही थी। विशिष्ट अतिथि के रूप में तहसीलदार चितरंगी ऋषि नारायण सिंह, जनपद सीईओ मानसिंह सैयाम म.प्र. जन अभियान परिषद

के संभाग समन्यवक प्रवीण पाठक, ब्लाक समन्यवक विश्वनाथ रैदास नवांकुर संस्था के अध्यक्ष शिवेंद्र धर द्विवेदी, यदुवंश यादव ग्रामविकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्यामलाल सिंह सहित गणमान्य नागरिक महिला पुरुष उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों माता सरस्वती जी के क्षाया चित्र पर धूप दीप प्रज्जवलित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत भाषण एवं रूपरेखा जिला समन्यवक द्वारा बताया गया। संभाग समन्यवक ने नवांकुर सखी कार्यक्रम के बारे में विस्तार जानकारी दिया। मुख्यातिथि ने बताया कि पर्यवरण जीवन में कितना आवश्यक हैं। वही अतिथियों द्वारा एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण किया।

घर के अंदर फांसी के फंदे पर झूला बालक

सिंगरौली। सरई थाना क्षेत्र के बरका पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम महरैल निवासी एक 16 वर्षीय युवक आज देर शाम घर के अंदर अज्ञात कारणों से फांसी के फंदे पर झूल आत्महत्या कर लिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम महरैल निवासी कमलेश कुमार बैस पिता प्रेमलाल बैस उम्र 16 वर्ष ने अपने ही घर के अंदर कमरे में अज्ञात कारणों से फांसी के फं दे पर लटक गया। मृतक अपने बाप का एकलौता बेटा था। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

अंबेडकर नगर में नशे के खिलाफ ग्रामीणों की पहल, मेडिकल स्टोर पर अवैध बिक्री का आरोप

सिंगरौली। ग्राम अंबेडकर नगर में नशे के बढ़ते प्रकोप और युवाओं में इसकी लत को देखते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन से कड़ा रुख अपनाने की मांग की है। ग्रामीणों ने शक्तिनगर थानाध्यक्ष को एक लिखित प्रार्थना पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया है कि गांव स्थित गुप्ता मेडिकल स्टोर पर कोरेक्स सिरप एवं अन्य नशीली दवाएं अवैध रूप से बेची जा रही हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त मेडिकल स्टोर के माध्यम से दवाओं की आड़ में नशीले पदार्थों

की अवैध बिक्री की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि स्टोर संचालक को कई बार समझाने का प्रयास किया गया, किंतु वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। इस वजह से क्षेत्र के युवाओं में नशे की लत दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिससे सामाजिक वातावरण दूषित हो रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गुप्ता मेडिकल स्टोर की तत्काल जांच की जाए और आवश्यक विधिक कार्रवाई कर इस अवैध व्यापार पर पूर्ण रूप से रोक लगाई जाए। ताकि क्षेत्र के युवाओं को नशे की इस घातक प्रवृत्ति से बचाया जा सके। प्रार्थना पत्र पर ग्रामीणों के हस्ताक्षर भी संलग्न किए गए हैं, जिसमें उन्होंने एक सुर में अवैध नशा कारोबार के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है।

दो क्लेम के दो-दो लाख रूपये मंजूर

एसबीआई ने तत्पर्ता के साथ प्रधान मंत्री जीवन ज्योति योजना का 2-2 लाख का क्लेम क्लेम स्वीकृत

सिंगरौली। भारतीय स्टेट बैंक शासन शाखा ने एक बार फिर अपनी ग्राहक केंद्रित सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। शाखा प्रबंधक अभिषेक कुमार एवं स्टाफ प्रमोद कुमार की त्वरित कार्रवाई और सहयोग से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के दो क्लेम दो-दो लाख के प्रत्येक सोनू पनिका एवं संगीता शाह के परिवार को तुरंत भुगतानका किया गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम-ओरगाई निवासी सोनू पनिका का

7 मार्च को घर में बिजली का करंट लगने से निधन हो गया था। प्रधानमंत्री जीवन ज्योती योजना की पॉलिसी ले रखी थी। क्लेम की राशि 2 लाख रूपये दिवंगत सोनू पनिका की नॉमिनी उनकी पत्नी बबीता पनिका वही ग्राम- गड़हरा निवासी संगीता शाह का 27 मई 2025 को घर में करंट लगने से निधन हो गया था। उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक शासन से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना की पॉलिसी ले रखी थी। इस मुश्किल घड़ी में बीमा कंपनी भारतीय स्टेट बैंक शासन के सहयोग से क्लेम प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया एवं 2 लाख रूपये दिवंगत संगीता शाह के नॉमिनी उनके पति अशोक शाह को सफलतापूर्वक ट्रांसफर कर दी गई। इस मौके पर शाखा प्रबंधक अभिषेक कुमार ने सभी को बीमा के महत्व और उसके फायदा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शाखा प्रबंधक ने सभी उपस्थित लोगों से अपील किया कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुये आवश्यक रूप से बीमा करवाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीमा भविष्य की अनिश्चित दुर्घटनाओं से परिवार को सुरक्षा प्रदान करता है और उन्हें किसी भी आकस्मिक स्थिति का समना करने में सक्षम बनाता है।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली को मिला विशेष सम्मान

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल के मैत्री सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन म.प्र. शासन की कैबिनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री संपतिया उईके एवं जिला प्रशासन सिंगरौली के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। जहां इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा जिले में स्वास्थ्य, पुनर्वास एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए संस्था के तीन प्रमुख इकाइयों को सम्मानित किया गया।

बरका में राजस्व एवं स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

सिंगरौली। जिले सरई तहसील के ग्राम बरका में राजस्व एवं स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर तहसीलदार सरई चन्द्रशेखर मिश्रा की विशेष पहल पर आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य वर्षा ऋतु में बढ़ने वाली बीमारियों से ग्रामीणों को बचाव की जानकारी देना एवं समुचित स्वास्थ्य परीक्षण करना था। स्वास्थ्य विभाग से डॉ. प्रदीप गुप्ता एवं डॉ.गंगा जायसवाल एवं डॉक्टर व उनके सहयोगियों की टीम ने शिविर में 110 ग्रामीणों का सघन स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसमें बीपी, शुगर की जांच की गई और निःशुल्क

दवाओं का वितरण भी किया गया। राजस्व विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया।

इस दौरान पीएम किसान सम्मान निधि 20 ई-केवाईसी 15, नामांतरण 4, बटवारा 2, फार्मर रजिस्ट्रेशन 15 प्रकरणों का निराकरण किया गया। तहसीलदार ने पुलिस चौकी बरका के स्टाफ के साथ मिलकर नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने ग्रामीणों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन जीने का संदेश दिया। इस जनसेवी एवं संवेदनशील पहल के लिए ग्रामवासियों ने तहसीलदार एवं चिकित्सकों का आभार प्रकट किया। राजस्व एवं डाक्टरों को अपने बीच पाकर बहुत से ग्रामीण जन काफी प्रसन्न रहे। इस अवसर पर मोतीलाल प्रजापति, राजस्व निरीक्षक रामनरेश सोनी, पटवारी रामखेलावन एवं दिनेश गुप्ता, सचिव बरका साहबलाल, जीआरएस तारकेश्वर, स्वास्थ्य विभाग से सीएचओ माधुरी एवं आंगनवाड़ी व आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता तथा समय-सीमा का पालन करें

वन विभाग की स्वीकृतियों तथा भू-अर्जन में विभागीय समन्वय से कार्य करें : प्रभारी मंत्री

सीधी। प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल द्वारा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन तथा निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि अधोसंरचना विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता तथा निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। निर्माण कार्यों से संबंधित वन विभाग की स्वीकृतियों तथा भू-अर्जन के प्रकरणों में विभागीय समन्वय स्थापित कर तत्परता से कार्यवाही करें। बैठक में विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक, धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम तथा सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक द्वारा क्षेत्र की समस्याओं के प्रति ध्यान आकृष्ट कराते हुए अधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रभारी मंत्री ने कार्यपालन यंत्री को कड़े निर्देश दिए है कि एक सप्ताह में वन विभाग की अनुमतियों से जुड़े समस्त प्रकरणों को पोर्टल पर दर्ज कराएं तथा भू-अर्जन के प्रकरणों में भी कार्यवाही कर अवगत कराएं। प्रभारी मंत्री ने मझौली बायपास में आवश्यक मरम्मत कर उसे चलने योग्य बनाने तथा भू-अर्जन में लापरवाही करने वाले उपयंत्री के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। खाम्ह-गिजवार मार्ग में गुणवत्ता विहीन कार्य की जांच कर उसे पुन: सही ढंग से कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभारी मंत्री ने सीधी रिंग रोड, सेमरिया बायपास मार्ग सहित सभी सड़क निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने पीएमजीएसवाय 4 योजना अंतर्गत चिन्हित कार्यों की सूची विधायकगणों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है। साथ ही जनप्रतिनिधियों से सूची प्राप्त कर सड़कों का सर्वे कर उन्हें पीएमजीएसवाय तथा सीएमजीएसवाय सड़कों की कार्य योजना में सम्मिलित करने के निर्देश दिए गए हैं। पीएम जनमन योजना तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जो सड़के चिन्हित हैं उनकी वन विभाग संबंधी अनुमतियां प्राथमिकता पर जारी करें। प्रभारी मंत्री ने महखोर तिराहा से टमसार तक के सड़क के मरम्मतीकरण का कार्य प्राथमिकता पर करने के निर्देश दिए हैं। सेतु निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री सभी निर्माणाधीन पुलों का कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होने सभी पुलों के एप्रोच रोड के कार्य को प्राथमिकता पर करने हेतु निर्देशित किया है।

प्रभारी मंत्री ने पीआईयू द्वारा अधूरी जानकारी प्रस्तुत करने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया है कि उनके द्वारा जिले में किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी उन्हें तथा विधायकगणों को दो दिवस के अंदर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। प्रभारी मंत्री ने भवनों के निर्माण में गुणवत्ता तथा समय-सीमा का पालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होने जिन भवनों के फिनिशिंग के कार्य अंतिम चरण में हैं उन्हें तत्परता से पूरा कर संबंधित विभाग को हैण्डओवर करने के निर्देश दिए हैं।

प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने स्वास्थ्य विभाग में किए गए स्थानान्तरणों की जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होने निर्देशित किया है कि सक्षम अनुमति के बिना जो भी स्थानान्तरण किए गए हैं उनहे निरस्त करने की कार्यवाही की जाए तथा दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही कर एक सप्ताह में अवगत कराना सुनिश्चित करें। प्रभारी मंत्री ने जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों तथा अन्य सपोर्ट स्टॉफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होने आउट सोर्स द्वारा की जा रही नियुक्तियों में पूरी पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए हैं। प्रभारी मंत्री ने सिहावल, मझौली तथा कुसमी में उपलब्ध एक्स-रे मशीनों को सुधार कराकर प्रारंभ कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होने 108 एम्बुलेंस तथा जननी एक्सप्रेस के सुचारू संचालन के निर्देश दिए हैं।

प्रभारी मंत्री ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होने टीम गठित कर किए गए कार्यों का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार कार्य किए गए हैं तथा योजना में लक्षित परिवारों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। यदि कमी पाई जाती है तो संबंधित संविदाकार तथा अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की जाए। उन्होने जल जीवन मिशन के कारण जो सड़के खराब हुई है उनके मरम्मतीकरण करने के निर्देश दिए हैं। प्रभारी मंत्री ने जल निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्हे निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

प्रभारी मंत्री ने विद्यालयों में शिक्षकों तथा छात्रों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होने 31 जुलाई तक सभी छात्रावासों में शत-प्रतिशत प्रवेश करने के निर्देश दिए हैं। छात्रों को नि:शुल्क साइकिलों का वितरण जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कराने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रभारी मंत्री महोदय द्वारा दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें तथा समय-सीमा में कार्यवाही पूर्ण कर अवगत कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। इसके पूर्व कलेक्टर तथा पुलिस अधीक्षक डॉ रवीन्द्र वर्मा द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर प्रभारी मंत्री का स्वागत किया गया।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, देव कुमार सिंह चौहान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, वन मण्डलाधिकारी प्रीती अहिरवार, उपसंचालक संजय टाइगर रिजर्व राजेश कन्ना टी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव सहित समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संसदीय क्षेत्र की विभिन्न सड़कों की मांग को लेकर सांसद मिले केंद्रीय मंत्री गडकरी से

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा संसद भवन में केंद्रीय सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट कर सीधी - सिंगरौली सड़क की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया तथा शीघ्र नया टेंडर कर कार्य प्रारंभ करने, सिंगरौली - प्रयागराज मार्ग की प्रक्रिया में तेजी लाने व सिंगरौली से जबलपुर वाया सरई, टिकरी, मझौली, ब्यौहारी, विजयसोता को राजमार्ग के रूप में स्वीकृति प्रदान करने हेतु आग्रह करते हुए मांग पत्र सौपा।

केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉक्टर मिश्रा द्वारा रखी गई बातों को गंभीरता से विचार करते हुए सीधी-सिंगरौली सड़क के संबंध में तत्काल अधिकारियों को कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। इस हेतु लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉक्टर मिश्रा ने संसदीय क्षेत्र की जनता की ओर से केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मारपीट के आरोपी को 06 माह की सजा

सीधी। बताया गया कि दिनांक 03.09.2019 को सुबह 10ः30 बजे फरियादी इरफान खान अपने भाई बहन को स्कूल छोड़ने रजडिहा गया था वहां से वापस आते समय खैरा के शिक्षक देवेन्द्र पाण्डेय मिले और उससे कहां कि उसे खैरा स्कूल छोड़ दो तब वह अपने मोटरसाइकल से देवेन्द्र पाण्डेय को खेरा स्कूल छोड़ने गये। वहां से वापस आते समय गेट पर पुष्पेन्द्र जायसवाल, रजनीश जायसवाल, कुस्सू जायसवाल एवं उनके अन्य अन्य साथी खड़े थे जो फरियादी को रोककर कहने लगे कि उसे शराब पीने के लिये पैसा दो फरियादी कहने लगा कि उसके पास पैसा नहीं है। इसके बाद पांचों अभियुक्तगण फरियादीके साथ गाली गलौच कर मारपीट करने लगे। अभियुक्त दिवाकर ने एकडण्डा फरियादी के सिर में मारा जिसके बाद हल्ला गुहार सुनकर इरशाह एवं बुधई द्विवेदी दौड़कर आये और बीच बचाव किया। अभियुक्त जाते-जाते कह रहा था कि इस बात तो बच गये दोबारा मिला तो जान से खत्म कर देंगे। इसके बाद किसी डायल 100 को फोन किया जिसके बाद उसे अस्पताल लाया गया, जहां से अस्पताल चैकी जिला सीधी में अभियुक्त के विरूद्ध धारा 294, 323, 327, 506, 34 भादवि की देहाती नलाशी लेख की गई जिसके आधार अभियुक्त के विरूद्ध थाना कोतवाली जिला सीधी केअपराध क्रमांक 610/2019 अंतर्गत धारा 294, 323, 327, 506 भाग-2 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

मझरेटी दुर्घटना में मृतक बच्चों के परिजनों से प्रभारी मंत्री ने व्यक्त की शोक संवेदना

प्रभारी मंत्री ने दुर्घटना पीड़ितों को दी आठ लाख रुपये की सहायता राशि के स्वीकृति पत्र

सीधी। जिले के ग्राम मझरेटी में गत 12 जुलाई को दर्दनाक दुर्घटना में ग्राम कुचवाही के निवासी श्री अखिलेश गुप्ता के दो नाबालिक बच्चों प्रीतम गुप्ता उम्र 14 वर्ष एवं नितीश गुप्ता उम्र 9 वर्ष की पानी में डूबने से असमय मृत्यु हो गई। सीधी प्रवास के दौरान प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने कुचवाही जाकर शोक संतप्त परिजनों से भेंट की तथा अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। प्रभारी मंत्री ने आरबीसी 6 (4)के तहत 8 लाख रूपये आर्थिक सहायता का स्वीकृत पत्र भी प्रदान किए।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस दु:खद दुर्घटना से मन आहत है। असमय अपने परिजनों के खोने के कष्ट को समझना आसान नहीं है। अल्प आयु में मासूम बच्चों को खोना अत्यन्त ही कष्टदायी है। उन्होने दिवंगत बच्चों की आत्मा को श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

उनके साथ विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक, सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक, धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, श्री देव कुमार सिंह चौहान ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की। कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव सहित उपस्थित अधिकारियों ने भी श्रृद्धासुमन अर्पित किए तथा शोक संतप्त परिजनों को ढाढस बधाया।

जिले में औसत वर्षा 780.7 मि.मी. दर्ज

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 24 जुलाई को सीधी जिले में 10.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 2.5 मि.मी., चुरहट 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 2.6 मि.मी., सिहावल में 32.6 मि.मी., बहरी में 2.0 मि.मी., मझौली में 23.0 मि.मी. और कुसमी में 13.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 780.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 24 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 890.2 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 660.0, चुरहट में 662.0, गोपद बनास में 706.6, बहरी में 878.7, मझौली में 881.0 मि.मी. और कुसमी में 786.5 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 284.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

बम्हनी में प्रभारी मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

पर्यावरण का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारीः प्रभारी मंत्री

सीधी। प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल द्वारा जिले में प्रवास के दौरान शासकीय विद्यालय बम्हनी में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। उनके साथ विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक, धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम, सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, श्री देव कुमार सिंह चौहान सहित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने फलदार पौधों को रोपित किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण एवं संवर्धन हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक पेड मां के नाम अभियान के माध्यम से इसे जन आंदोलन बनाने का काम किया है। पेड़ हमारे जीवन रक्षक है। उन्होने लोगों से इस अभियान में सहभागिता का आहवान करते हुए कहा कि सभी लोग अपने आसपास पौधे अवश्य लगाएं तथा उनके वृक्ष बनने तक उनका पोषण और सुरक्षा करें। एक स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण ही भावी पीढ़ी के लिए सच्ची भेंट होगी। इस अवसर पर कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह सहित अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

सीधी। बताया गया किदिनांक 20.05.2018 को अवयस्क अभियोक्त्री की मां ने पुलिस सहायता केन्द्र सीधी में इस आशय की सूचना दर्ज करायी कि उसकी लड़की अभियोक्त्री कल दोपहर लगभग 1 बजे चार (स्थान का नाम) तेन्दू बीनने गई थी। साथ में अभियोक्त्री का ममेरा भाई, मौसेरा भाई एवं रिश्ते का चाचा भी थे। उसकी लड़की लगभग ढाई बजे घर आयी और रोने लगी तो उसने पूछा कि क्या हुआ तो अभियोक्त्री ने बताया कि विजय बैगा जंगल में आया था और उसे दोनों गाल में चाटा मारा, पीठ में मुक्का मारा और बाल मटमटाया। अभियोक्त्री के गर्दन में छिला हुआ व लाल निशान है। अभियोक्त्री ने यह भी बताया कि आरोपी विजय ने उसकी पैंट उतारा था और टट्टी वाले रास्ते में उसके साथ गलत काम किया था तथा उसके पैर अपने कंधे के उपर रखा था। उसे टट्टी वाले रास्ते में दर्द है। अभियोक्त्री ने बताया कि जब विजय पत्थर उठाकर मारने लगा तो सब भाग गये। उक्त पर जिला अस्पताल पुलिस सहायता केन्द्र सीधी में प्रथम सूचना रिपोर्ट अपराध क.-051/2018 अंतर्गत धारा 373, 376 (2झ), 377 भा.दं.सं. एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 5 (जे) /6 में दर्ज किया गया। अभियोक्त्री का मेडिकल परीक्षण उसके माता-पिता की सहमति लेकर अस्पताल चौकी सीधी से कराया गया। अभियोक्त्री को जिला अस्पताल सीधी में भर्ती किया गया। पश्चात में थाना मझौली को केस डायरी अग्रिम विवेचना हेतु प्राप्त होने पर थाना मझौली द्वारा असल अपराध क.-325/2018 अंतर्गत धारा 323, 376(2) (?), 377 एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 5द्ध (द्वद्ध), 6 में पंजीबद्ध किया गया। मामले कीसंपूर्ण विवेचना पश्चा त् अभियोग पत्र तैयार कर माननीय न्यायधयालय सीधी में प्रस्तुत किया गया। जिसके न्यायालयीन विशेष सत्र प्रकरण क्रमांक130/2018में शासन की ओर से सशक्तत पैरवी करते हुए सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री प्रशान्ता कुमार पाण्डे6य के द्वारा अभियुक्त को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया।

मुख्यमंत्री ने किया नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा के पोस्टर का विमोचन

सीधी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं मप्र जन अभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को परिषद के नवाचारी कार्यक्रम नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा के पोस्टर का समत्व भवन में विमोचन करते हुए इस प्रदेश व्यापी अभियान में सम्मिलित नवांकुर सखियों को शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण में उनकी सतत और सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की है। अभियान का प्रमुख उददेश्य नारी शक्ति के माध्यम से स्वैच्छिकता के आधार पर पर्यावरण संरक्षण करना है। उल्लेखनीय है कि परिषद द्वारा प्रदेश के 313 विकासखंडों के 1565 सेक्टरों में हरियाली अमावस्या 24 जुलाई से आगामी 05 दिवसों तक नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

इस आयोजन के अंतर्गत प्रत्येक सेक्टर में 100 महिलाएं नवांकुर सखी के रूप में पंजीकृत की गई हैं। ये नवांकुर सखियां 11 बीज रोपित एवं अंकुरित पौध रोपित थैलियों के माध्यम से अपने घर की बगिया में पौधे विकसित करेंगी। मप्र जन अभियान परिषद की इस नवाचारी पहल से प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में 5500 पौधे तैयार होंगे। 1,56,500 नवांकुर सखियों द्वारा संपूर्ण प्रदेश में 17,21,500 पौधे तैयार होंगे। विकसित पौधों को रोपण लायक होने की स्थिति में एक पेड़ मॉ के नाम अभियान में शासकीय या निजी भूमि में परिवार महत्व के अवसरों पर रोपित किया जायेगा। ये पौधे एक पेड़ मॉ के नाम अभियान में आगामी वर्षों में रोपित होंगे। पोस्टर विमोचन समारोह में परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर एवं कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड़ सहित परिषद के अधिकारीगण उपस्थित थे।

कार्यालय कलेक्टर जिला – सीधी एवं पदेन उपसचिव म.प्र. शासन, राजस्व विभाग

पत्र क्र0. 1956 /भू-अर्जन/2025/ सीधी दिनांक 15/07/2025

अधिसूचना

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है, कि इस संलग्न अनुसूची के खानें (1) से (5) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खानें (5) मे उसके सामनें दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़नें की संभावना है। अतः भू-अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, कि कोई भी व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने तक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई संव्यवहार नही करेगा या कोई संव्यवहार नही कराएगा, अथवा ऐसी भूमि पर कोई विलंगम सृजित नही करेगा। यह परियोजना कृषकों के हित से सम्बन्ध है। यहॉ पर कोई वृहद स्तर का विस्थापन न होकर महान (गुलाब सागर) परियोजना के बटौली माइनर निर्माण हेतु क्षेत्र प्रस्तावित है। यह प्रक्रिया/परियोजना शासन एवं आम जन के न्याय हित में होने के कारण सामाजिक सगाघात के पूर्व मूल्यांकन/आंकलन की आवश्यकता नहीं है। राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (4) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के सम्बन्ध में धारा – 12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है।

"अनुसूची"

1– भूमि का विवरणः–

ग्राम का नाम :– पड़ैनिया पवाई
तहसील :– गोपद बनास
जिला :– सीधी
निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल :– निजी रकवा 0.070 हे.

स.क्र.	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु प्रस्तावित रकवा (हे.मे)	धारा–12 के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5
1	103/5/2	0.070	कार्यपालन यंत्री महान नहर संभाग सीधी जिला – सीधी (म.प्र.)	महान (गुलाब सागर) परियोजना के बटौली माइनर नहर निर्माण हेतु।
Total	01 किता	0.070		

2. भूमि का नक्शा (प्लान) कार्यालय उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास में देखा जा सकता है।
3. उक्त कार्य हेतु सम्बन्धित परिवारों के पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन प्रयोजन के लिए अपर कलेक्टर सीधी को प्रशासक नियुक्त किया जाता है। अतः हितबद्ध कोई भी व्यक्ति इस हेतु उनके समक्ष 60 दिनों के अन्दर आवेदन कर सकता है।
4. धारा–11 के तहत जारी उक्त अधिसूचना की प्रकाशन की तारीख से 60 दिन के भीतर कोई भी व्यक्ति अधिनियम 2013 की धारा–15 के तहत लिखित आक्षेप प्रस्तुत कर सकेत है।
5. यह सूचना सर्व सम्बन्धितों की जानकारी के लिए जारी की जा रही है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा
आदेशानुसार

(स्वरोचिष सोमवंशी)
कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव
म.प्र. शासन राजस्व विभाग

जी-16130/25

संपादकीय

स्वच्छता के विस्तार की कड़ियां स्वागतयोग्य

किसी भी देश और समाज के विकास का एक जरूरी मानक यह भी है कि उसमें आम रिहाइश से लेकर सभी स्थानों पर स्वच्छता को सुनिश्चित करने को लेकर शासन कितना सक्रिय और सजग है और इसके प्रति आम लोग कितने जागरूक हैं। साफ-सफाई को लेकर नागरिक बोध एक निरंतरता में काम करता है, तभी कोई शहर एक मिसाल बन पाता है। इस लिहाज से देखें तो देश के स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में एक बार फिर इंदौर ने जिस तरह आठवीं बार सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है, वह बाकी शहरों-महानगरों के लिए एक उदाहरण है कि सिर्फ व्यवस्थागत पहलू को दुरुस्त कर दिया जाए, तो न केवल इस मामले में सबसे आगे रहा जा सकता है, बल्कि ऐसी जगहों पर होने वाला विकास वास्तव में अपना महत्त्व स्थापित करता है। गौरतलब है कि इस वर्ष इंदौर को सुपर लीग में शामिल किया गया था। यानी इस श्रेणी में सिर्फ वही शहर शामिल थे, जो अब तक हुए सर्वेक्षणों में पहले, दूसरे या तीसरे स्थान पर रहे हैं। इस बार सुपर लीग की नई श्रेणी बनने के बावजूद इंदौर ने बाजी मारी। इसके अलावा, दस लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में गुजरात का अहमदबाद शहर पहले स्थान पर रहा। खास बात यह है कि स्वच्छता मानकों पर हर वर्ष इंदौर का नाम सुर्खियों में रहता आया है। मगर इस वर्ष इसके प्रतिस्पर्धी भी दिखने शुरू हो गए हैं और आबादी के मानक के मुताबिक बनाए गए अलग-अलग वर्गों के तहत भोपाल, लखनऊ, मीरा भायंदर, विलासपुर, जमशेदपुर, देवास, करनाल जैसे कई अन्य शहरों ने भी स्वच्छ शहरों की सूची में अपनी जगह बनाई। निश्चित तौर पर स्वच्छता के विस्तार की कड़ियां स्वागतयोग्य हैं और देश की छवि के लिए यह अच्छा हैं, लेकिन ध्यान रखने की जरूरत है कि स्वच्छता सर्वेक्षण की सूची में स्थान बनाने के साथ-साथ इस मामले में निरंतरता कायम रहे। समस्या यह है कि सर्वेक्षण के मानकों पर किसी शहर को सबसे स्वच्छ बनाने की घोषणा तो कर दी जाती है, लेकिन किसी जगह अगर कचरा बिखरा पड़ा हो, गंदगी की सफाई को लेकर आम लोगों के भीतर कोई सजगता नहीं दिखे, नागरिक बोध का अभाव हो तो ऐसे में सवाल उठने स्वाभाविक हैं।

चीन ने भारत सीमा से लगे दक्षिण-पूर्वी तिब्बत के न्यिंगची क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर एक विशाल बांध के निर्माण की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। इस परियोजना का शिलान्यास खुद चीनी प्रधानमंत्री ली क्यांग ने किया। स्थानीय मीडिया के हवाले से यह खबर सामने आई है। हम आपको याद दिला दें कि इस परियोजना को दिसंबर 2024 में चीन सरकार ने स्वीकृति दी थी। चीन इसे 'कार्बन न्यूट्रलिटी' और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास से जोड़कर देख रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार इस परियोजना से उत्पन्न बिजली का अधिकांश हिस्सा तिब्बत के बाहर के क्षेत्रों में भेजा जाएगा, जबकि आंशिक रूप से तिब्बत की स्थानीय ऊर्जा आवश्यकताओं की भी पूर्ति होगी।

हम सिर्फ चिंता जताते रह गये और चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने का काम शुरू भी कर दिया

(नीरज कुमार दुबे)

भारत और बांग्लादेश जैसे डाउनस्ट्रीम देशों के लिए यह परियोजना कई आशंकाओं को जन्म देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे ब्रह्मपुत्र नदी के जलप्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। भारत सरकार ने इस परियोजना को लेकर पहले ही चिंता व्यक्त कर दी थी। चीन ने भारत सीमा से लगे दक्षिण-पूर्वी तिब्बत के न्यिंगची क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर एक विशाल बांध के निर्माण की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। इस परियोजना का शिलान्यास खुद चीनी प्रधानमंत्री ली क्यांग ने किया। स्थानीय मीडिया के हवाले से यह खबर सामने आई है। हम आपको याद दिला दें कि इस परियोजना को दिसंबर 2024 में चीन सरकार ने स्वीकृति दी थी। चीन इसे 'कार्बन न्यूट्रलिटी' और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास से जोड़कर देख रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार इस परियोजना से उत्पन्न बिजली का अधिकांश हिस्सा तिब्बत के बाहर के क्षेत्रों में भेजा जाएगा, जबकि आंशिक रूप से तिब्बत की स्थानीय ऊर्जा आवश्यकताओं की भी पूर्ति होगी।

इस निर्माण के तहत पांच प्रमुख हाइड्रोपावर स्टेशन बनाए जाएंगे जिन पर अनुमानित खर्च 1.2 ट्रिलियन युआन (लगभग 167 अरब डॉलर) होगा। चीन का दावा है कि यह परियोजना यांग्त्से नदी पर बने विश्वप्रसिद्ध थ्री गॉर्जेस डैम से भी अधिक बिजली उत्पादन करेगी।

दूसरी ओर, भारत और बांग्लादेश जैसे डाउनस्ट्रीम देशों के लिए यह परियोजना कई आशंकाओं को जन्म देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे ब्रह्मपुत्र नदी के जलप्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। भारत सरकार ने इस परियोजना को लेकर पहले ही चिंता व्यक्त कर दी थी। जनवरी 2025 में भारत के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा था कि भारत ने चीन से आग्रह किया है कि ब्रह्मपुत्र के अपस्ट्रीम इलाकों में की जा रही गतिविधियों से डाउनस्ट्रीम देशों के हितों को नुकसान न पहुंचे। इसके जवाब में चीन ने कहा था कि यह बांध डाउनस्ट्रीम प्रभाव के लिहाज से 'नकारात्मक असर' नहीं डालेगा।

हम आपको यह भी बता दें कि इस बांध के निर्माण को

लेकर केवल भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण विशेषज्ञ भी चिंतित हैं। दरअसल तिब्बती पठार को 'विश्व की जल टंकी' कहा जाता है और यह क्षेत्र पहले ही जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का सामना कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी बड़ी परियोजना से तिब्बती पठार की नाजुक पारिस्थितिकी पर स्थायी और अपूरणीय प्रभाव पड़ सकता है, जिससे पूरे हिमालयी क्षेत्र में जल, मौसम और पारिस्थितिकी परिवर्तन की आशंका है। देखा जाये तो भारत के लिए यह परियोजना केवल पर्यावरण या जलस्रोत का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह रणनीतिक और भू-राजनीतिक चिंता भी है। न्यिंगची क्षेत्र, जहां यह बांध बन रहा है, भारत के अरुणाचल प्रदेश के बेहद करीब है, जिसे चीन 'दक्षिण तिब्बत' कहकर अपना हिस्सा बताता रहा है। इस बांध के जरिये चीन भविष्य में ब्रह्मपुत्र नदी के पानी के प्रवाह को नियंत्रित कर सकता है, जिससे अरुणाचल प्रदेश, असम और बांग्लादेश तक पानी की आपूर्ति पर प्रभाव पड़ सकता है। इससे न सिर्फ भारत की खाद्य सुरक्षा, सिंचाई और बिजली परियोजनाएं प्रभावित हो सकती हैं, बल्कि आपदा (बाढ़ या सुखाड़) के जोखिम भी बढ़ सकते हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि चीन लंबे समय से अपने पड़ोसी देशों के खिलाफ 'डैम डिप्लोमेसी' यानी बांध निर्माण के जरिये दबाव बनाने की रणनीति अपनाता रहा है। मेकोंग नदी हो या ब्रह्मपुत्र, चीन बार-बार अपने अपस्ट्रीम अधिकारों का हवाला देकर डाउनस्ट्रीम देशों को असहज स्थिति में डालता आया है। भारत के लिए आगे की राह क्या होनी चाहिए, यदि इस पर गौर करें तो निश्चित रूप से भारत को इस मुद्दे पर राजनयिक दबाव के साथ आंतरिक तैयारी भी तेज करनी होगी। इसके अलावा, अरुणाचल और असम में वैकल्पिक जलस्रोतों का प्रबंधन करना होगा, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन के कदमों का विरोध करना होगा और भारत-बांग्लादेश के बीच मजबूत सहयोग स्थापित करना होगा। साथ ही ब्रह्मपुत्र बेसिन में अपने जल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना भारत की रणनीति का हिस्सा होना चाहिए।

इसमें कोई दो राय नहीं कि यह बांध तिब्बत और दक्षिण एशिया की राजनीति, पर्यावरण और भू-राजनीति के लिए आने वाले वर्षों में एक बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है। भारत को अब केवल चिंता व्यक्त करने से आगे जाकर, सक्रिय रणनीतिक, कूटनीतिक और तकनीकी उपाय करने होंगे। जहां तक भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की ओर से व्यक्त की गयी चिंता की बात है तो आपको बता दें कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने हाल ही में कहा था कि राज्य की सीमा के निकट चीन द्वारा बनाया जा रहा विशाल बांध एक ''वाटर बम'' होगा और यह सैन्य खतरे के अलावा, किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा था कि यारलुंग सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि चीन ने अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जो उसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने के लिए मजबूर कर सकती थी। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा था, ''मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वे कब क्या करेंगे।

वहीं असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने को लेकर लोगों की चिंताओं दूर करने का प्रयास करते हुए कहा है कि फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि इस नदी के भीतर अधिकांश पानी भूटान और अरुणाचल प्रदेश से आता है। सरमा ने संवाददाताओं से कहा कि पिछले सप्ताह शुरू हुए इस विशाल बांध से वास्तव में क्या प्रभाव पड़ेगा, फिलहाल इसकी ठोस जानकारी नहीं है क्योंकि अलग-अलग बातें कही जा रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मामले में चीन के संपर्क में रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन द्वारा बांध के संबंध में दो वैज्ञानिक दृष्टिकोण सामने आए हैं। उन्होंने कहा, ''पहला- अगर चीन ब्रह्मपुत्र के प्रवाह को बाधित करता है तो पानी कम हो सकता है और परिणामस्वरूप जैव विविधता प्रभावित होगी। लेकिन एक विपरीत पहलू यह भी है कि अगर कम पानी आएगा तो बाढ़ की आशंका भी कम हो जाएगी। इसलिए, मुझे नहीं पता कि कौन-सा (दृष्टिकोण) सही है।''(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मतदाता सूची के पुनरीक्षण से परेशान क्यों कुछ पार्टियां

(अजय आलोक)

बिहार के सीमांचल जैसे क्षेत्रों से लगातार ऐसी खबरें आती रही हैं कि अतिरिक्त आधार कार्ड का उपयोग कर गैर-कानूनी तरीके से लोगों को मतदाता सूची में शामिल कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल व नेपाल की सीमा से सटे होने और बांग्लादेश से अधिक दूर न होने के कारण सीमांचल घुसपैठियों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बन गया है। ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने व दोषरहित चुनावी प्रक्रिया पूरी करने के लिए मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण बहुत आवश्यक कदम है। विपक्षी दलों द्वारा इस प्रक्रिया का विरोध दरअसल उस पारदर्शिता और ईमानदारी का विरोध है, जो उनके राजनीतिक अस्तित्व के लिए संकट बन चुकी हैं।

भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक ढांचा है, जिसकी शक्ति निष्पक्ष चुनाव और जन-भागीदारी में निहित है। चुनाव आयोग इस व्यवस्था का आधार है, जो हरेक भारतीय नागरिक को स्वतंत्र और पारदर्शी मतदान का अधिकार देता है। बिहार में हाल ही में शुरू हुई मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) इसी उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में एक डिजिटल, समावेशी और निष्पक्ष पहल है।

चौंकाने वाली बात है कि कांग्रेस, राजद और अन्य विपक्षी दल इस प्रक्रिया पर सवाल उठाकर इसे अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों के खिलाफ साजिश बता रहे हैं। प्रश्न यह उठता है कि जब यह प्रक्रिया सभी जिलों, तमाम जातियों व समुदायों पर समान रूप से लागू होती है और सभी को समान अवसर प्रदान करती है, तो फिर इस पर संदेह करने का आधार क्या है? यह विरोध दरअसल उस पुरानी मानसिकता का परिणाम है, जो पारदर्शिता की जगह तुष्टिकरण और धांधली को चुनावी अस्त्र मानती रही है। यह वही मानसिकता है, जिसने बिहार को वर्षों तक 'बूथ कैप्चरिंग' और भय की राजनीति का शिकार बनाए रखा।

आखिर विशेष गहन पुनरीक्षण की जरूरत क्यों पड़ी? पिछले दशकों में मतदाता सूची में फर्जी नाम, मृत व्यक्तियों के नाम, एक ही व्यक्ति का कई जगहों पर नाम होने जैसी अनेक खामियां पाई गईं। इन विसंगतियों को दूर करने के लिए ही विशेष गहन पुनरीक्षण आवश्यक होता है, क्योंकि ऐसे मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए जाएं, जिनका निधन हो चुका है, ताकि उनके नाम पर फर्जी मतदान न हो सके। जो मतदाता किसी दूसरे स्थान पर चले गए हैं, उन्हें नई जगह की मतदाता सूची में पंजीकृत करना और पुरानी जगह से उनका नाम हटाना आवश्यक होता है। फिर 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में शामिल करके लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखने के लिहाज से भी पुनरीक्षण का कदम जरूरी होता है।

बिहार के सीमांचल जैसे क्षेत्रों से लगातार ऐसी खबरें आती रही हैं कि अतिरिक्त आधार कार्ड का उपयोग कर गैर-कानूनी तरीके से लोगों को मतदाता सूची में शामिल कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल व नेपाल की सीमा से सटे होने और बांग्लादेश से अधिक दूर न होने के कारण सीमांचल घुसपैठियों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बन गया है। ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने व दोषरहित चुनावी प्रक्रिया पूरी करने के लिए मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण बहुत आवश्यक कदम है।

विपक्षी दलों द्वारा इस प्रक्रिया का विरोध दरअसल उस पारदर्शिता और ईमानदारी का विरोध है, जो उनके राजनीतिक अस्तित्व के लिए संकट बन चुकी हैं। जब फर्जी वोटर हटाए जाएंगे, मृत और दोहरे नाम सूची से निकल जाएंगे, तब स्वाभाविक है कि कदाचार के जरिये चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की संभावनाएं भी खत्म हो जाएंगी। बिहार के विपक्षी दलों को यह डर सताने लगा है कि इससे उनके कृत्रिम वोट बैंक का सफाया हो सकता है। उनको यह भी भय है कि 18 वर्ष के बाद पहली बार मतदाता बने युवा जातिवादी, वंशवादी राजनीति से दूर भाग रहे हैं। यह वर्ग डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, एनईपी-2020 जैसी एनडीए सरकार की पहल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रवादी नेतृत्व से प्रभावित है। ऐसे में, विपक्ष का पारंपरिक समीकरण गड़बड़ा जाएगा। इसलिए पुनरीक्षण प्रक्रिया को दागदार ठहराने की कोशिशें की जा रही हैं।

मतदाता पुनरीक्षण की मौजूदा कवायद में चुनाव आयोग ने शिकायत निवारण प्रणाली को तेज किया है, ई-गवर्नेंस आधारित प्रणाली लागू की है, एसआईआर के हर चरण को पारदर्शी बनाया है। भारत में चुनाव आयोग जैसी संस्था लोकतंत्र की रीढ़ है। उसकी निष्पक्षता, तकनीकी दक्षता व पारदर्शिता पर बिना किसी ठोस प्रमाण के आरोप लगा देना न केवल इस सांविधानिक संस्था का अपमान है, बल्कि जनता की समझ का भी निरादर है। जरूरत इस बात की है कि हरेक नागरिक मतदाता सूची पुनरीक्षण में भाग ले, अपने अधिकारों को सुनिश्चित करे और लोकतंत्र को सशक्त बनाए। यह केवल नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनमत की गरिमा को सुरक्षित रखने का राष्ट्रीय दायित्व भी है। (लेखक राष्ट्रीय प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी है) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5802

संकेतः बाएं से दाएं
1. यह मुगल सम्राट जहांगीर का बचपन का नाम था, जहांगीर की पत्नी नूरजहां की मां अस्मत बेगम ने गुलाब से इत्र निकालने की विधि खोजी थी (3)
4. यह संत तुलसीदास के बचपन का नाम है (4)
7. खानागार, नहाने का स्थान (3)
8. तरल पदार्थ को ठोस रूप में बदलना (3)
9. संख्या, जोड़ (3)
12. अगर, जो (2)
14. हिचक, असमंजस, लज्जा (3)
16. सैनिकों के लिए अभ्यास, परेड (4)
17. परत, स्तर (2)
19. जंघा, जांघ (2)
21. जे.ओमप्रकाश के निर्देशन में धर्मेंद्र-आशा पारेख की मुख्य भूमिकाएं वाली फिल्म (1969)(8)
24. साधु-संत के रहने का स्थान (2)

संकेतः ऊपर से नीचे
1. साइड हीरो (5)
2. यह पेरू देश की राजधानी है (2)
3. माता का स्नेह जो उसकी संतान पर होता है (3)
4. लालू यादव वाली राजनीतिक पार्टी (संक्षिप्त नाम)(3)
5. मेरा या मेरी (संस्कृत) (2)
6. बुआई करना, जमीन में बीज छितराना (2)
10. बेटी का पति, जंवाई, जामाता (3)
11. चिंता, फिक्र, चिंतन, परेशानी (2)
13. बहुत ज्यादा घाटा या हानि, ऋण चुकाने में असमर्थ (4)
14. परम धार्मिक और साधु व्यक्ति, सज्जन और महात्मा (2)
15. बहुत शोरगुल (4)
18. बलमा, प्रेमी, साजन (3)
20. ऊंट आदि के नाक के आर-पार पहनाई जाने वाली रस्सी (3)
21. विश्वास, स्थित होने की अवस्था (2)
22. मित्र, सखा, परस्पर साथ रहने वाला व्यक्ति (2)
23. असत्य कथन, मिथ्या (2)

वर्ग पहेली 5801 का हल

हां	त्र	कां	त्र	■	वा	द्या	■
फ	ल	द्या	न	■	प	र	म
ना	त	■	घा	र	स	म	णि
■	फ	■	व	न	■	द्या	■
■	ह	■	ड	र	■	र	घि
■	मी	ना	र	■	डो	■	त्व
प	■	जु	■	प	र	ना	ना
रा	ज	क	पू	र	■	र	य

देशहित में बहिष्कार का उचित फैसला

(योगेश जोशी)

अगर किसी देश के हरेक नागरिक की सोच राष्ट्रहित की भावना से ओत-प्रोत हो, तो उस देश को प्रगति के पथ से कोई हटा नहीं सकता। भारत के लीजेंड खिलाड़ियों ने कुछ इसी तरह की भावना का परिचय दिया है। उन्होंने एक बार फिर यह साबित किया है कि पहलेज

अगर किसी देश के हरेक नागरिक की सोच राष्ट्रहित की भावना से ओत-प्रोत हो, तो उस देश को प्रगति के पथ से कोई हटा नहीं सकता। भारत के लीजेंड खिलाड़ियों ने कुछ इसी तरह की भावना का परिचय दिया है। उन्होंने एक बार फिर यह साबित किया है कि पहले देश और उसके बाद खेल। दरअसल, इंग्लैंड के बर्मिंघम में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) टूर्नामेंट का एक मैच रविवार को भारत और पाकिस्तान के चैंपियंस के बीच प्रस्तावित था। मगर चूंकि पहलगाम आतंकी हमले की आग अब तक ठंडी नहीं हुई है, इसलिए शिखर धवन समेत कई भारतीय खिलाड़ियों ने इस घटना के विरोध में पाकिस्तानी चैंपियंस के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर दिया। नतीजतन, यह मुकाबला रद्द करना पड़ा और इन दोनों ही टीमों को बराबर-बराबर प्वॉइंट दे दिए गए।

निस्संदेह, पहलगाम आतंकी हमले की ज्वाला अब भी हर भारतवासी के दिल में सुलग रही है। वह ऐसी कायराना हरकत थी, जिसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। हालांकि, 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से हमने दुश्मन देश को एहसास करा दिया कि वह भारत को कभी हल्के में न ले, अन्यथा उसे भारी कीमत चुकानी होगी। बहरहाल, भारत के लीजेंड खिलाड़ियों ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पाकिस्तान के साथ खेलने से इनकार करके एक अच्छा फैसला लिया है। इसकी भरपूर सराहना की जानी चाहिए। आयोजकों ने भी माना कि उनसे चूक हुई है और उन्होंने तत्काल दर्शकों व देशवासियों से माफी मांगी ली, जिससे भारतीय पक्ष का दावा अधिक मजबूत बनता है। फिर भी, पाकिस्तान की तरफ से इसकी निंदा की गई है। उसे समझना चाहिए कि आतंकियों को पालने वाले देश के साथ किसी भी प्रकार का कोई भी संबंध नहीं रखा जाना चाहिए, फिर चाहे वह खेल संबंध ही क्यों न हो। इतना ही नहीं, हमें अन्य देशों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए कि वे पाकिस्तान का बहिष्कार करें। आतंकवाद के खिलाफ अब करारा जवाब देना ही होगा। वास्तव में, यह सिर्फ एक देश की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे विश्व की है। हमें उन तमाम देशों को किनारे करना ही होगा, जो किसी न किसी वजह से आतंकवाद का पोषण करते हैं, अपने यहां दहशतगर्दों को शरण देते हैं।

भारतीय टीम ने उचित ही देशभक्ति को खेल के ऊपर तरजीह दी है। उन्होंने देश की सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखकर यह एहसास कराया कि आतंक का सभ्य समाज और राष्ट्र में कहीं भी स्थान नहीं है! यह बात पाकिस्तान जितनी जल्दी समझ जाए, उसके लिए उतना बेहतर होगा।

आज का राशिफल

मेष
आज व्यापार के मामले में नए संपर्क बनाने से आपका भाग्य बदल सकता है। साथ ही, कार्यस्थल और समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ किसी लंबी यात्रा पर जाने का प्लान भी बन सकता है। शादीशुदा लोगों के वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। लेकिन कुछ मामलों में आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा।

वृष
आज आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है। किसी बात को लेकर मानसिक अशांति महसूस हो सकती है और मन भी बेचैन रहेगा। ऐसे में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में न लें। हालांकि, माता-पिता के सहयोग से दिन के अंत तक आपको कुछ राहत महसूस होगी।

मिथुन
आज छोटे-छोटे लाभ मिलने के योग बने हुए हैं। अगर नौकरी या व्यवसाय से जुड़ी कुछ समस्याएं परेशान कर रहीं थीं, तो अब वे दूर हो सकती हैं या आपको समाधान मिल सकता है। आप अपने छोटे व्यवसाय को अनुभव के साथ बड़ा बना सकते हैं।

कर्क
आज कुछ विरोधी आलोचना कर सकते हैं। लेकिन आपके लिए उन पर ध्यान देने की बजाए अपने काम में लगा रहना ज्यादा बेहतर होगा। खुद के काम में व्यस्त रहने से आपका दिन अच्छा जाएगा। भविष्य में आपको बड़ी सफलता प्राप्त होने के योग भी बन रहे हैं।

सिंह
आज निजी जीवन में अपने विरोधियों व शत्रुओं से बचने की जरूरत है। ये आपके खिलाफ कोई योजना बना सकते हैं। ऐसे में व्यापार से जुड़ा कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा। आपका मन किसी अनावश्यक बात के चलते उदास हो सकता है।

कन्या
आज हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। अगर कार्यक्षेत्र में विपरीत परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं तो आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा। ऐसा न करने से बात ज्यादा बढ़ सकती है।

तुला
आज कोई समस्या चल रही है तो उसका सही समाधान न मिलने से आपका मन परेशान रह सकता है और मानसिक तनाव भी बढ़ेगा। कार्यस्थल पर अपने पद या किसी अधिकार की महत्वाकांक्षा के चलते अन्तर्विरोध देखने को मिल सकता है।

वृश्चिक
आज विशेष काम करने की योजना बना सकते हैं या तैयारी में भी लगे रह सकते हैं। कार्यस्थल पर अधिकारियों से अच्छा तालमेल बना रहेगा। व्यापार के मामले में किसी सरकारी संस्था से आपको बड़ा लाभ मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

धनु
आज आपका धन कहीं रुका हुआ था या देरी हो रही थी तो अब अचानक से सारी बाधाएं दूर हो सकती हैं। साथ ही, आपका पैसा भी वापस मिल जाएगा। धर्म और अध्यात्म में आपका विश्वास बढ़ेगा और आंतरिक सुकून महसूस होगा। रोजमर्रा के कामों में लापरवाही बरतने से बचना होगा।

मकर
आज अपने वरिष्ठ अधिकारियों से आपकी अनबन हो सकती है। ऐसे में वाणी पर संयम रखें और क्रोध से बचें। आपकी समझदारी और चतुराई से विरोधियों का मनोबल टूटेगा। दिन के समय अचानक घर में मेहमान भी आ सकते हैं जिससे थोड़ा खर्च बढ़ेगा।

कुंभ
आज दिन में सफलता के अच्छे योग बने हुए हैं। वाहन, या भूमि खरीदने का भी शुभ संयोग बन सकता है। साथ ही, स्थान परिवर्तन की भी संभावना है। आपके सांसारिक सुख में भी वृद्धि होगी। लेकिन कार्यस्थल पर कामकाज में कुछ अस्थिरता देखने को मिल सकती है।

मीन
आज आपको उसमें सफलता प्राप्त हो सकती है। व्यापार या नौकरी में किसी खास उपलब्धि के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा और सुकून महसूस होगा। अगर परिवार में संतान से जुड़ी कोई समस्या चल रही थी तो अब उससे भी निजात मिल सकती है, जिससे मानसिक तनाव कम होगा।

संक्षिप्त समाचार

स्मृति ईरानी ने बताया अमेठी में क्यों हुई थी हार, रिटायरमेंट पर क्या बोलीं

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी नेता स्मृति ईरानी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने अनुकूल स्थिति के चलते केरल के वायनाड से चुनाव लड़ने का फैसला किया था। खास बात है कि ईरानी ने राहुल को 2019 में उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट से हराया था, लेकिन 2024 में उन्हें सीट से हार का सामना करना पड़ा। एक न्यूज चैनल से बातचीत में जब ईरानी से पूछा गया कि वह अब राहुल गांधी को लेकर आक्रामक क्यों नहीं हैं, तो इसपर उन्होंने कहा, क्योंकि गांधी परिवार ने 2024 में मुझसे लड़ने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि 2024 में अमेठी से गांधी के चुनाव नहीं लड़ने के फैसले के बाद कोई राजनीतिक जंग नहीं बची। उन्होंने कहा, अगर वह युद्ध के मैदान में कदम भी नहीं रख रहे हैं, तो मैं क्या कहूं? मैं उनके पीछे नहीं पड़ सकती। उन्होंने कहा, कोई भी समझदार नेता उस सीट से चुनाव नहीं लड़ना चाहेगा, जहां से उसकी हार निश्चित हो। उन्होंने कहा, लेकिन अगर ऐसी कोई सीट दी जाती है, तो यह पार्टी के प्रति फिर कर्तव्य होता है। लेकिन 2019 में मैंने असंभव को संभव कर दिखाया था। जब सवाल किया गया कि अगर राहुल गांधी चुनाव में खड़े होते, तो क्या वह 2024 में उन्हें हरा देतीं। इस पर ईरानी ने कहा, बिल्कुल, इसलिए उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा। उन्होंने अमेठी से हार पर भी दुख जाहिर किया। उन्होंने कहा, अगर मैंने काम नहीं किया होता और लोग कहते कि मैंने अपने वादे नहीं निभाए, तो मुझे ज्यादा दुख होता। लेकिन मैं जो कर सकती थी मैंने किया। इसपर ईरानी ने कहा, काम और राजनीतिक समीकरण में अंतर होता है। जो राजनीति में हैं, वो इसे समझ सकते हैं। चुनावी राजनीति देश सेवा जैसी नहीं होती। चैनल से बातचीत में उन्होंने साफ किया है कि टीवी पर लौटने का यह मतलब नहीं है कि वह राजनीति से रिटायर हो रही हैं। उन्होंने कहा, कौन 49 में रिटायर होता है। 49 में अधिकांश लोगों के करियर शुरू होते हैं और मैं पहले ही तीन बार संसद की सदस्य रह चुकी हूं।

छत्तीसगढ़ में हाथियों का आतंक, 3 लोगों को मार डाला; घर भी ढहा दिया

रायगढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथी के हमले से 3 लोगों की मौत हो गई। 22 जुलाई की रात ग्राम गोसाईडीह और मोहनपुर में हथिनी और उसके शावक ने जमकर उत्पात मचाया है। गांवों के करीब हाथियों की मौजूदगी से दहशत है। हाथियों का दल रोजाना गांवों में पहुंचकर फसलों और घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वन अमला सिर्फ मुनादी करके और जंगलों में नहीं जाने की अपील करके खामोश है। ताजा मामला लैलूंगा रेंज का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात लैलूंगा के गोसाईडीह गांव में हाथी ने पांच साल के बच्ची को पटक कर मार डाला। वह घर में सोई थी, तभी हाथी आ धमका। मकान को तोड़ दिया और बच्ची को सूंड से उठाकर पटक दिया। इधर अंगेकेला गांव में भी एक महिला को हाथी ने खेत में कुचल कर मार डाला। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के करीब एक हाथी अपने शावक के साथ विचरण कर रहा है। रात होते ही उसी हाथी ने गांव में घुसकर उत्पात मचाया है। एक और घटना लैलूंगा रेंज के मोहनपुर गांव में घटी है। हाथी के दल ने घर के दीवार को धक्का देकर गिरा दिया। इस दौरान मलबे की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हाथी के हमले से तीन लोगों की मौत की खबर के गांव के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वहीं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी गांव पहुंचे हैं। पुलिस की भी सूचना दी गई है। मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया गया है। डीएफओ जितेंद्र उपाध्याय के मुताबिक इन दिनों रायगढ़ जिले में कुल 136 हाथी विचरण कर रहे हैं, जिसमें धमरजयगढ़ में 88 हाथी तो रायगढ़ वन मंडल में 48 हाथियों की मौजूदगी है। सर्वाधिक हाथी बाकारूमा रेंज के तेजपुर में 25, छाल रेंज के बेहरामार में 25, कापू रेंज के कूमा बीट में 13, रायगढ़ वन मंडल के कांटाझरिया बीट में 16, तमनार रेंज के हिंझर में 13, घरघोड़ा रेंज के कटंगडीह में 10 हाथियों के अलावा अलग-अलग बीट में कुछ हाथियों की मौजूदगी है।

नीचे से चौथे नंबर पर आया पाकिस्तान का पासपोर्ट, भारत ने लगा दी 8 पायदान की लंबी छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर के देशों के पासपोर्ट की नई रैंकिंग आ गई है। इसके मुताबिक भारत का पासपोर्ट दुनिया में 77वें नंबर पर है। वहीं पहले नंबर पर एशिया के ही सिंगापुर और दूसरे पर जापान एवं साउथ कोरिया को रखा गया है। दिलचस्प तथ्य यह है कि पाकिस्तान दुनिया का चौथा सबसे खराब रैंकिंग वाला देश है। उसका पासपोर्ट 96वें नंबर पर रखा गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स ने 1 से 99 तक की रैंकिंग में दुनिया के तमाम देशों को रखा है। पाकिस्तान के साथ सोमालिया और यमन को जगह मिली है। सबसे आखिरी यानी 99वें नंबर पर अफगानिस्तान है। इसी तरह 98 पर सीरिया और 97 पर इराक को जगह मिली है। तीसरे पायदान पर यूरोप के ही कई देश हैं, जिनमें डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली और स्पेन शामिल हैं। इन देशों में घूमने के लिए लोग बड़ी संख्या में जाना चाहते हैं। चौथे नंबर पर भी स्वीडन, नीदरलैंड और बेल्जियम समेत यूरोप के ही 7 देश शामिल हैं। भारत के एक और पड़ोसी देश बांग्लादेश के पासपोर्ट को 94वें नंबर पर रखा गया है।

जदयू नहीं, भाजपा से होगा अगला उपराष्ट्रपति, रामनाथ ठाकुर के नाम की अटकलें निराधार

नई दिल्ली, एजेंसी। मॉनसून सत्र के पहले ही दिन उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद देश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इस बीच निर्वाचन आयोग (ईसी) ने अगले उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। आयोग ने कहा कि उसने संसद के दोनों सदनों के सांसदों के निर्वाचक मंडल का गठन शुरू कर दिया है। अब अगले उपराष्ट्रपति के नाम को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इनमें जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के नेता और केंद्रीय मंत्री राम नाथ ठाकुर का नाम भी सामने आया है।

अगला उपराष्ट्रपति भाजपा से होगा : हालांकि सूत्रों के हवाले से लिखा है कि अगला उपराष्ट्रपति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से ही होगा और नीतीश की जेडीयू के नेता राम नाथ ठाकुर की दावेदारी की अटकलें निराधार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा नेतृत्व इस पद के लिए ऐसे व्यक्ति को चुनना चाहता है जो पार्टी की मूल विचारधारा के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ हो। राम नाथ ठाकुर के नाम की चर्चा को पूरी तरह खारिज करते हुए बताया गया कि हाल ही में भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से हुई उनकी मुलाकात महज एक औपचारिक बातचीत थी। उस दौरान कई अन्य सांसदों ने भी नड्डा से भेंट की थी। जेडीयू और भाजपा

के बीच इस पद को लेकर कोई विशेष संवाद नहीं हुआ है।

हालांकि, बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह चर्चा जरूर गर्म है कि भाजपा इस पद पर किसी बिहारी नेता को लाकर बड़ा सियासी संदेश देना चाहती है। इसी कड़ी में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम भी सामने आ रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि धनखड़ के इस्तीफे से रास्ता साफ हो सकता है जिससे नीतीश कुमार को उपराष्ट्रपति बनाया जाए और चुनाव से पहले उन्हें केंद्र की राजनीति में सम्मानजनक स्थान देकर बिहार में राजनीतिक समीकरणों को साधा जा सके।

नीतीश कुमार की उम्मीदवारी पर क्या बोले भाजपा विधायक : भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर ने मंगलवार को इस चर्चा को और हवा दी। उन्होंने कहा, अगर नीतीश कुमार को उपराष्ट्रपति बनाया जाता है तो यह बिहार के लिए बहुत अच्छा होगा। भाजपा के लिए बिहार विधानसभा चुनाव बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि पार्टी ने राज्य में कभी अपने दम पर सरकार नहीं बनाई है। ऐसे में अगर नीतीश को केंद्र में लाया जाता है तो राज्य की राजनीति में भाजपा को खुला स्पेस मिल सकता है और एनडीए की एकता का संदेश भी जाएगा।

इस बीच, धनखड़ के इस्तीफे के बाद राज्यसभा की कार्यवाही जेडीयू के ही हरिवंश नारायण सिंह संभाल रहे हैं, जो 2020 से राज्यसभा के उपसभापति हैं। हरिवंश की भूमिका और बिहार से उनके जुड़ाव को एनडीए के लिए चुनाव से पहले सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। अंदरूनी कलह के चलते आया इस्तीफा सूत्रों के मुताबिक, जगदीप धनखड़ का इस्तीफा अचानक नहीं बल्कि केंद्र सरकार के साथ लंबे समय से चल रही तनातनी का परिणाम था। असहमति की प्रमुख वजह न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को लेकर हुई खींचतान बताई जा रही है। इस साल की शुरुआत में न्यायमूर्ति वर्मा के घर से भारी मात्रा में बेहिसाब नकदी बरामद हुई थी, जिसके बाद विपक्षी दलों ने उनके खिलाफ प्रस्ताव तैयार किया। धनखड़ इस प्रस्ताव को स्वीकार करने की ओर अग्रसर थे, जबकि सरकार की ओर से बार-बार उनसे अनुरोध किया गया कि वह इसे टालें। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल और भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने धनखड़ से कहा कि सरकार इस प्रस्ताव को विपक्ष के साथ मिलकर लोकसभा में लाना चाहती है। इसके बावजूद धनखड़ ने राज्यसभा में इस प्रस्ताव को स्वीकार करने की घोषणा कर दी, जिससे सरकार बेहद नाराज हो गई। सूत्रों के अनुसार, इस फैसले को एनडीए के भीतर सामंजस्य की गंभीर अनदेखी माना गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर गृहमंत्री और शीर्ष सलाहकारों के साथ बैठक की और धनखड़ के व्यवहार पर नाराजगी जताई।

ऐसे ही चला तो 2041 तक असम में बराबर होगी हिंदू-मुसलमान की आबादीः मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा

डिब्रूगढ़, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि अगर राज्य में मौजूदा जनसंख्या वृद्धि की दर जारी रही, तो वर्ष 2041 तक हिंदू और मुस्लिम समुदाय की आबादी लगभग बराबर हो सकती है। उन्होंने यह बयान बुधवार को एक कैबिनेट बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। सरमा ने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार, असम में कुल जनसंख्या का 34 प्रतिशत हिस्सा मुसलमानों का था, जिनमें से 31 प्रतिशत मुस्लिम वे हैं जो असम में बाहर से आकर बसे हैं, जबकि सिर्फ तीन प्रतिशत मुसलमान असम के मूल निवासी हैं।

मुस्लिम आबादी में हो रही वृद्धि पर चिंता मुख्यमंत्री ने बताया कि यदि पिछले दशकों के जनगणना आंकड़ों के आधार पर जनसंख्या का विश्लेषण किया जाए, तो यह साफ़ दिखता है कि राज्य में मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है और अगर यही रफ्तार बनी रही तो 2041 तक हिंदू और मुस्लिम आबादी लगभग 50:50 हो जाएगी। उन्होंने कहा, यह मेरा व्यक्तिगत अनुमान नहीं है, बल्कि जनगणना के आंकड़े और उनकी गणना यही संकेत दे रही है। मैंने सिर्फ वह दोहराया है जो सरकारी आंकड़े बताते हैं।

बढ़ती मुस्लिम बहुल जिलों की संख्या मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि वर्ष 2001 में जब राज्य में कुल 23 जिले थे, तब 6 जिले मुस्लिम बहुल थे, जिनमें धुबरी, बरपेटा, नगांव, करीमगंज, हाइलाकांडी और गोलपारा शामिल थे। वर्ष 2011 की जनगणना तक राज्य में जिले बढ़कर 27 हो गए और इनमें से 9 मुस्लिम बहुल हो चुके थे, जैसे कि मोरीगांव, दारांग और बोंगाईगांव। मुख्यमंत्री के अनुसार, अब यह संख्या बढ़कर कम से कम 11 जिलों तक पहुंच चुकी है, हालांकि 2021 की जनगणना रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब राज्य में चल रहे बेदखली अभियानों पर सवाल किया गया, तो मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की लगभग 29 लाख बीघा ज़मीन (करीब 10 लाख एकड़) पर अवैध कब्जे हैं। उन्होंने कहा, हम लगातार बेदखली अभियान चला रहे हैं।

रमी की लत ने टीचर को बना दिया चोर, बुर्का पहनकर चुराए 8 लाख

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद के मेघानीनगर स्थित एक नर्सिंग कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल को 8 लाख रुपये की चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को इस मामले में उनकी दाहिनी आंख के पास एक तिल से सुराग मिला। सीसीटीवी फुटेज में बुर्का पहने एक महिला को चुपके से कॉलेज के तिजोरी से नकदी निकालते देखा गया और उस तिल ने उनकी पहचान उजागर कर दी। शाहिबाग की निवासी 42 साल की यह महिला ने पुलिस को बताया कि वह ऑनलाइन रम्मी की लत में इस कदर डूब गई थी कि कर्ज के जाल में फंस गई। इस कर्ज से उबरने और खेल जारी रखने के लिए उसने कॉलेज की तिजोरी से पैसे चुराने का रास्ता चुना। उसने 22 जुलाई की सुबह 6 बजे तिजोरी से 500 रुपये के नोटों की गड्डी निकाली, जिसमें कुल 8 लाख रुपये थे। मामला तब खुला जब कॉलेज के प्राचार्य को सुबह तिजोरी खाली मिली। उन्होंने तुरंत स्टाफ को इकट्ठा किया और पूछताछ शुरू की। हैरानी की बात यह थी कि उस समय चोर यानी वाइस प्रिंसिपल भी वहां मौजूद थी, जैसे कुछ हुआ ही न हो। लेकिन पुलिस ने रातभर सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की और उस तिल ने सारा राज खोल दिया। सब-इंस्पेक्टर आर. एम. चावड़ा ने बताया, फुटेज में बुर्का पहने महिला की दाहिनी आंख के पास तिल देखकर हमें शक हुआ।

बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस का कर्नाटक दांव, सिद्धारमैया शुरू कराने जा रहे नया सर्वेक्षण

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में कंठराज आयोग द्वारा 2015 में किए गए सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण (जाति जनगणना) को रद्द करने के एक महीने से भी कुछ ज्यादा समय बाद वहां की कांग्रेस सरकार ने दशहरा की छुट्टियों के दौरान 22 सितंबर से 7 अक्टूबर तक 15 दिनों के लिए एक नया सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण यानी कास्ट सर्वे कराने का फैसला किया है। बड़ी बात ये है कि ये सर्वे ऐसे वक्त में प्लान्ड किए गए हैं, जब बिहार में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज होंगी और सियासत अपने चरम पर होगा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस बावत बुधवार (23 जुलाई) को एक टॉप लेवल मीटिंग की, जिसमें उन्होंने मधुसूदन आर. नाइक की अध्यक्षता वाले राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को अक्टूबर के अंत तक जाति सर्वे का रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। बैठक में सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य में हरेक व्यक्ति की आर्थिक स्थिति का व्यापक सर्वेक्षण होना चाहिए, चाहे उसके पास जमीन हो या न हो, इत्यादि। उन्होंने कहा कि यही सर्वेक्षण रिपोर्ट अगले बजट का आधार होगी।

पिछले सर्वे में सर्वेक्षण में 54 प्रश्नों वाली प्रश्नावली : पिछले कंठराज आयोग ने अपने सर्वेक्षण में 54 प्रश्नों वाली एक प्रश्नावली का इस्तेमाल किया था। इस बार आयोग इसमें और पहलुओं को शामिल करने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, सर्वेक्षण

वैज्ञानिक और पारदर्शी होना चाहिए और प्रश्नों को विशेषज्ञ समिति से परामर्श के बाद अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, इस जाति सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य जाति और वर्ग के भेदभाव को समाप्त करना और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। हम चाहते हैं कि यह देश के लिए एक आदर्श बने। साफ है कि कांग्रेस सरकार इस सर्वे के जरिए बिहार चुनाव से पहले व्यापक संदेश देना चाहती है।

7 करोड़ की अनुमानित आबादी का होगा सर्वेक्षण : मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि यह निर्णय कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के एक औपचारिक प्रस्ताव के बाद लिया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य भर में 7 करोड़ की अनुमानित आबादी का सर्वेक्षण करना है। इस सर्वेक्षण में 2024 की जाति गणना से प्राप्त जानकारी भी शामिल की जाएगी, जिसमें राज्य के 96 प्रतिशत लोगों को शामिल किया गया था और जिसके निष्कर्ष इस वर्ष की शुरुआत में प्रस्तुत किए गये थे।

प्रक्रियागत बदलाव के तहत नया सर्वेक्षण एक मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से डिजिटल रूप से किया जाएगा, जिसमें शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों सहित लगभग 1.65 लाख गणनाकर्ता इस कार्य के लिए तैनात किए जाएंगे।

कासिम कृष्ण बनकर यूपी के मंदिर में करा रहा था पूजा पाठ, पिता बिहार में मौलवी

मेरठ, एजेंसी। बिहार का कासिम एक साल से यूपी में मेरठ के दादरी स्थित मंदिर में कृष्ण बनकर पूजापाठ करा रहा था। आरोपी पर कुछ लोगों को शक हुआ तो मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी कासिम को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया है। दौराला थानाक्षेत्र के दादरी गांव में प्राचीन शिव मंदिर है। एक साल पहले एक व्यक्ति गांव आया और अपना नाम कृष्ण पुत्र संतोष निवासी दिल्ली बताते हुए मंदिर में रहने के लिए ग्रामीणों से अनुमति मांगी। चूंकि मंदिर में कोई पुजारी नहीं थे, इसलिए कृष्ण को मंदिर में रहने की अनुमति दे दी गई।

इसके बाद से कथित कृष्ण मंदिर में रहकर पूजा-अर्चना करने लगा। कुछ समय पूर्व गांव के लोगों ने शक होने पर कृष्ण का आधार कार्ड मांगा। इस दौरान आधार कार्ड लाने की बात कहकर 15 दिन के लिए कृष्ण लापता हो गया था। बाद में मंदिर में आकर दोबारा से पूजन करने लगा। हस्तरेखा देखने को लेकर 15 दिन पहले भी कुछ ग्रामीण से कृष्ण की कहासुनी हो गई, जिसके बाद वह मंदिर

छोड़कर कहीं चला गया था। बुधवार को शिवरात्रि और कांवड़ यात्रा को लेकर मंदिर पर ग्रामीणों ने भंडारे किया हुआ था। इसी दौरान वह आयोजित भंडारे में पहुंचा और मंदिर के कमरे में रखा कुछ सामान निकालने लगा। ग्रामीणों ने कृष्ण पर चोरी का आरोप लगाकर पकड़ लिया और मुस्लिम होने का आरोप लगा दिया। इसी दौरान कुछ ग्रामीण ने आरोपी की धोती खोल दी और पहचान कर पुलिस को बुला लिया। आरोपी से पूछताछ की तो उसने अपना नाम कासिम निवासी बिहार बताया, जिस पर हंगामा हो गया। कासिम मंदिर में करा रहा था पूजा, बिहार में पिता है मौलवी बिहार का कासिम एक साल से मेरठ के दादरी स्थित मंदिर में कृष्ण बनकर पूजा पाठ करा रहा था, जबकि जांच और पूछताछ के बाद पता चला कि उसका पिता मोहम्मद अब्बास ग्राम कोली रायपुर सीतामढी बिहार में मौलवी है। पूछताछ में कासिम ने पुलिस को बताया कि उसका पिता मोहम्मद अब्बास मौलवी है। वह छह भाई-बहनों में तीसरे नंबर का है। उसने दिल्ली के मंदिरो में रहकर पूजा पाठ और मंत्रों का उच्चारण सीखा। दिल्ली में उसने अपने हाथ पर कृष्ण लिखवाया था।

पूछताछ करने पर वह अपना नाम कृष्ण और पिता का नाम संतोष बताता था। कासिम बोला, मैंने हिंदू धर्म अपनाया भीड़ ने कासिम को बंधक बना लिया और मारपीट कर दी। इस दौरान कासिम ने बताया कि उसने हिंदु धर्म अपना रखा है। पिछले कई सालों से वह संतों के साथ ही मंदिरों में रहा है। इसी के चलते हाथ पर भी अपना नाम कृष्ण ही लिखा रखा है। सूचना पर आनन फानन में पुलिस मौके पर पहुंची और कासिम को दबोच लिया।

राशन कार्ड धारकों के लिए हर पांच साल में ई-केवाईसी प्रक्रिया अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और कुशल बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने बुधवार को मौजूदा पीडीएस नियमों में संशोधन करते हुए सभी राशन कार्ड धारकों के लिए हर पांच साल में इलेक्ट्रॉनिक नो योर कस्टमर यानी ई-केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य राशन वितरण प्रणाली में धोखाधड़ी को रोकना, डुप्लिकेट कार्ड्स को हटाना और सब्सिडी को सही लाभार्थियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करना है। केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की। इसमें कहा गया है कि लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) संशोधन आदेश, 2025 के तहत पीडीएस में पारदर्शिता बढ़ाने, डुप्लिकेशन को रोकने और सब्सिडी के टारगेट को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इसके तहत, राज्य सरकारों को सभी पात्र परिवारों के लिए हर पांच साल में ई-केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा। इस प्रक्रिया में अयोग्य परिवारों को लाभार्थी सूची से हटाया जाएगा और नवीन पात्र परिवारों को शामिल किया जाएगा। नए नियमों के अनुसार, अलग राशन कार्ड के लिए न्यूनतम आयु

अब 18 वर्ष निर्धारित की गई है। यह कदम यह सुनिश्चित करेगा कि केवल पात्र व्यक्ति ही राशन कार्ड के माध्यम से सब्सिडी प्राप्त करें। कोई भी व्यक्ति 18 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले अलग राशन कार्ड रखने का पात्र नहीं होगा। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के आधार नंबर (अगर उपलब्ध हैं) एकत्र किए जाने चाहिए और उनके पांच साल का होने के एक वर्ष के भीतर ई-केवाईसी करवाना आवश्यक है। अधिसूचना में कहा गया है, जिन लाभार्थियों ने पिछले छह महीनों में अपने अधिकारों का लाभ नहीं उठाया है, उनके राशन कार्ड अस्थायी रूप से निष्क्रिय कर दिए जाएंगे। राज्य सरकार को पात्रता का पुनर्मूल्यांकन करने और आगे की कार्रवाई करने के लिए तीन महीने के भीतर क्षेत्रीय सत्यापन और ई-केवाईसी पूरा करना होगा।

मस्जिद का सियासी इस्तेमाल शरीयत के खिलाफ, अखिलेश की बैठक पर देवबंदी उलमा भड़के

रामपुर , एजेंसी। सपा चीफ अखिलेश यादव और रामपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी का एक मस्जिद के अंदर बैठक का वीडियो वायरल होने के बाद सियासत तेज है। इस बीच जमीयत दावतुल मुसलीमीन के संरक्षक कारी इस्हाक गोरा ने अखिलेश यादव और सपा नेताओं द्वारा मस्जिद में बैठक करने पर रोष व्यक्त किया। भड़के देवंबदी उलमा कारी इस्हाक गोरा कहा कि मस्जिद को सियासी मंच बनाकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया है। कारी इस्हाक गोरा बुधवार को जारी बयान में कहा कि रामपुर से सपा सांसद मौलाना मोहिब्बुल्ला नदवी, पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और कुछ महिला प्रतिनिधियों के साथ एक मस्जिद के अंदर इमाम के मुसल्ले के करीब बैठक की। जिसकी वीडियो और तस्वीरे सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इस पर दुनियाभर के मुसलमान प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मस्जिद अल्लाह का घर है, इबादत की जगह हैं, इसे सियासी उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करना शरीयत के सरासर खिलाफ है। मस्जिदें इबादत, तिलावत और रूहानी सुकून का मरकज हैं न कि सियासी बैठकों का।

मस्जिद में सपा सांसदों की बैठक से सियासत गर्म : जामा मस्जिद में समाजवादी पार्टी के

सांसदों की मौजूदगी ने सियासी हलकों में नया विवाद खड़ा कर दिया है। रामपुर से सपा सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी की मेजबानी में हुई इस बैठक में सम्भल से सांसद डॉ. जियाउर्रहमान बर्क समेत कई अन्य नेता शामिल रहे। तस्वीरों में मैनपुरी सांसद डिंपल यादव भी पारंपरिक साड़ी में नजर आईं, जिसके बाद मस्जिद को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा और उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने इसे धार्मिक स्थल का राजनीतिक इस्तेमाल करार देते हुए कड़ी आपत्ति जताई है। वहीं, मौलाना नदवी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह मुलाकात धार्मिक सौहार्द के दायरे में थी, औपचारिक बैठक नहीं थी। भाजपा बेवजह मुद्दा बना रही है। इस मसले ने अब उत्तर प्रदेश की सियासत में गर्मी ला दी है, जहां रामपुर और सम्भल जैसे मुस्लिम बहुल इलाकों में यह बहस और तेज हो गई है। मस्जिद में नहीं हुई कोई सियासी बैठकः सांसद बर्क समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. जियाउर्रहमान बर्क ने संसद की मस्जिद को लेकर उठे विवाद पर स्पष्ट किया है कि वहां कोई राजनीतिक बैठक नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि मस्जिद के भीतर सिर्फ धार्मिक चर्चा होती है, राजनीतिक बैठकें नहीं। भाजपा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए बर्क ने कहा कि यह सब जानबूझकर रचा गया प्रोपेगंडा है। सांसद बर्क ने दो टूक कहा कि उनके पास राजनीतिक बैठक के लिए पर्याप्त स्थान हैं, मस्जिद को राजनीति से जोड़ना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, भाजपा ध्यान भटकाने के लिए नए-नए मुद्दे उछाल रही है। रामपुर सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी की उस मांग का जिक्र करते हुए बर्क ने कहा कि उन्होंने ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को मस्जिद में आने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब मस्जिदों, मदरसों और खानकाहों को निशाना बनाया जा रहा था, तब भाजपा खामोश थी। आज वही लोग धर्म की राजनीति करके खुद को गौरवशाली साबित करने में जुटे हैं। सपा के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने कहा कि मंदिर और मस्जिद में हर वर्ग का व्यक्ति जा सकता है। अखिलेश यादव मस्जिद गए तो इसमें गलत क्या है।

भारत-पाक मैच पर भी आया अपडेट

सितंबर में खेला जाएगा 2025 एशिया कप, वेन्यू का हो गया खुलासा!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 को लेकर आखिरकार अच्छी खबर सामने आई है. अब तक संशय की स्थिति बनी हुई थी कि इस साल एशिया कप का आयोजन होगा भी या नहीं. अब मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार एशिया कप 2025 की मेजबानी दुबई, अबू धाबी करने वाला है. यह टूर्नामेंट 5 सितंबर-21 सितंबर तक खेला जाएगा. एशिया कप में भारतीय टीम के खेलने पर भी कुछ स्पष्ट नहीं था, लेकिन ताजा अपडेट अनुसार इस टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान समेत कुल 8 टीम भाग लेने वाली हैं.

अभी तक बीसीसीबाई, एसीसी और आईसीसी ने इस संबंध में कोई आधिकारिक स्टेटमेंट जारी नहीं किया है, लेकिन टाइम्स ऑफ इंडिया अनुसार भारतीय टीम भी इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली है. टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देशों के नाम भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, ओमान, यूएई और हॉन्ग कॉन्ग होंगे.

एशिया कप का आयोजन आखिरी बार 2023 में ओडीआई फॉर्मेट में खेला गया था, जिसके फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 10 विकेट से रौंदा था. अभी तक यह साफ नहीं है कि एशिया कप में भारत बनाम पाकिस्तान मैच होगा या नहीं, क्योंकि अभी तक पूरा शेड्यूल जारी नहीं किया गया है. बता दें कि फिलहाल इंग्लैंड में खेली जा रही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में भी भारत बनाम पाकिस्तान मैच होने वाला था, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने इस मुकाबले में खेलने से इनकार कर दिया था.

ऐसे में आयोजकों को इंडिया चैंपियंस बनाम पाकिस्तान चैंपियंस मैच को रद्द करना पड़ा था. पिछले संस्करण से उलट एशिया कप 2025 टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा. यह पहली बार होगा जब किसी एशिया कप टूर्नामेंट में कुल 8 टीम भाग ले रही होंगी. इस बार एशिया कप में विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ी नहीं खेलेंगे, क्योंकि ये तीनों खिलाड़ी टी20 फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं.

वैभव को पछाड़ आयुष म्हात्रे ने रचा इतिहास, इंग्लैंड के खिलाफ 206 रन ठोक कर बनाए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे ने इंग्लैंड के खिलाफ यूथ टेस्ट सीरीज में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 206 रन जड़ डाले और एक नहीं बल्कि कई रिकॉर्ड्स अपने नाम कर लिए हैं. उन्होंने न केवल छक्कों के मामले में वैभव सूर्यवंशी को पीछे छोड़ा, बल्कि भारतीय अंडर-19 टेस्ट इतिहास में बतौर कप्तान सबसे बड़ी पारी खेलने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं.

वैभव से 2 छक्के ज्यादा लगाकर बनाया नया रिकॉर्ड

जहां वैभव सूर्यवंशी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और छक्कों के लिए पहचाने जाते हैं, वहीं उनके ओपनिंग पार्टनर और कप्तान आयुष म्हात्रे अब उनसे 2 छक्के ज्यादा लगाकर आगे निकल चुके हैं. इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए दो यूथ टेस्ट मैचों की सीरीज में आयुष ने कुल 9 गगनचुंबी छक्के लगाए, जबकि वैभव ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7 छक्के लगाए थे.

सौरभ तिवारी का रिकॉर्ड भी टूटा

इससे पहले 2007-08 में सौरभ तिवारी ने यूथ टेस्ट सीरीज में 8 छक्के लगाए थे. इस बार आयुष ने उस रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया और एक सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारतीय अंडर-19 खिलाड़ी बन गए हैं. इनमें से 6 छक्के उन्होंने एक ही पारी में लगाए, जो अपने आप में एक दमदार प्रदर्शन रहा.

कप्तान ने ठोके 206 रन

दूसरे यूथ टेस्ट में आयुष ने पहली पारी में 80 रन, और दूसरी पारी में 126 रन की शानदार पारी खेली. कुल मिलाकर उन्होंने मैच में 206 रन बनाए और बतौर कप्तान अंडर-19 टेस्ट में 200+ रन बनाने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड तन्मय श्रीवास्तव ने हासिल किया था, जिन्होंने 2006 में एक यूथ टेस्ट में 199 रनों की शानदार पारी खेली थी. रेड बॉल में वैभव से भी आगे निकले आयुष वैभव सूर्यवंशी की ताकत जहां व्हाइट बॉल क्रिकेट में मानी जाती है, वहीं आयुष म्हात्रे ने साबित कर दिया कि रेड बॉल क्रिकेट के राजा वो हैं. इंग्लैंड के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी न सिर्फ दमदार रही, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत संकेत भी दे गई.

भारतीय क्रिकेटर आवेश खान की हुई सफल सर्जरी, LSG फ्रेंचाइजी ने उठाया पूरा खर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर आवेश खान की सफल सर्जरी हुई, जिसकी जानकारी लखनऊ सुपर जायंट्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से दी. वह इंडियन प्रीमियर लीग में इसी फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हैं, जिसके कप्तान ऋषभ पंत हैं. सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के अनुसार आवेश की सर्जरी और रिहैब का पूरा खर्चा लखनऊ फ्रेंचाइजी ही उठाएगी. तेज गेंदबाज आवेश खान को आईपीएल 2025 से पहले भी घुटने में चोट लगी थी, हालांकि वह इससे रिकवर हो गए थे और बीसीसीआई ने उन्हें टूर्नामेंट में खेलने की इजाजत दी थी. ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स के कई खिलाड़ी आईपीएल 2025 में चोट से जूझ रहे थे.

आवेश खान की घुटने की सर्जरी हुई

रिपोर्ट के अनुसार आवेश खान और मोहसिन खान की घुटने की सर्जरी मुंबई के प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ पारदीवाला द्वारा की गई. आवेश के दाएं पैर के घुटने की सर्जरी 17 जून को हुई. इसी रिपोर्ट में बताया गया कि आवेश खान, मोहसिन खान और मयंक यादव रणजी ट्रॉफी के पहले हाफ से बाहर हो सकते हैं, इन तीनों के टूर्नामेंट के सेकंड हाफ में खेलने की उम्मीद है. सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के अनुसार आवेश खान की सर्जरी का पूरा खर्चा लखनऊ सुपर जायंट्स ने उठाया. रिहैब का खर्चा भी टीम ही कर रही है. उम्मीद है कि वह रणजी ट्रॉफी के दूसरे हाफ में खेल सकते हैं.

दिव्या एफआईडीई विमेंस वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची

जॉर्जिया (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने जॉर्जिया में चल रहे एफआईडीई विमेंस वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। दिव्या इस टूर्नामेंट के इतिहास में फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। यह जीत उनकी लगातार तीसरी ऐसी जीत है, जिसमें उन्होंने एक ग्रैंडमास्टर को मात दी।

इस जीत के साथ ही दिव्या ने अपना पहला ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया और 2026 एफआईडीई महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की। वहीं, कोनेरू हम्पी का फैसला आज टाई-ब्रेकर मैच (रैपिड/ब्लिट्ज) से होगा। चीनी खिलाड़ी टिंगजी लेई के खिलाफ दोनों गेम ड्रॉ रहा।

दिव्या ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन को हराया

दिव्या ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन तान झोंग्यी को सेमीफाइनल मुकाबले में 1.5-0.5 के अंतर से हराया। 19 साल की दिव्या ने सफेद मोहरों से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया और 101 चाल में मात दी। दूसरे गेम में उन्हें सफेद मोहरों से खेलने का फायदा मिला। उन्होंने बीच के खेल में लगातार दबाव बनाया और तान झोंग्यी को गलतियां करने पर मजबूर कर दिया।

व्हाइट (दिव्या) क्लीन की अदला-बदली के साथ जीत की स्थिति में थी, लेकिन क्लीन को बोर्ड पर रखने से भी उनकी स्थिति बहुत मजबूत थी.इसके बाद झोंग्यी ने वापसी की और बढ़त ले ली। समय की कमी में झोंग्यी ने गलत चाल चली, जिसके बाद दिव्या दो प्यादों की बढ़त के साथ आगे हो गईं। आखिरी गेम में झोंग्यी के पास ड्रॉ के कई मौके थे, लेकिन वह इन्हें भुना नहीं सकीं।

पहला गेम रहा था ड्रॉ

पहले गेम में दिव्या ने काले मोहरों से खेला था। यह गेम ड्रॉ रहा था। दिव्या ने पहले गेम के शुरुआत में ही खेल को संतुलित करने की रणनीति अपनाई। झोंगयी ने 'क्वीन्स गैम्बिट डिक्लाइन्ड' ओपनिंग से खेल की शुरुआत की, जिसमें दिव्या ने लगातार मोहरे बदलते हुए संतुलन बनाए रखा। झोंगयी भी इस स्थिति से संतुष्ट दिखीं, जहां ब्लैक को थोड़ी सक्रियता मिली थी।

डीसी ओपन टेनिसः

फ्रिट्ज ने डीसी ओपन के तीसरे दौर में बनाई जगह, वीनस विलियम्स युगल में बाहर

वॉशिंगटन, एजेंसी। पहले दौर में बाई मिलने के बाद फ्रिट्ज़ अब तीसरे दौर में माटेओ अर्नाल्डी का सामना करेंगे, जिन्होंने 16वें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो सोनेगो को 7-5, 7-5 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज़ ने सीधे सेट में जीत दर्ज करके डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई लेकिन एक साल से भी अधिक समय बाद वापसी करने वाली वीनस विलियम्स को महिला युगल में हार का सामना करना पड़ा। विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले फ्रिट्ज ने अलेक्जेंडर वुकिक पर 6-3, 6-2 से जीत हासिल की। पहले दौर में बाई मिलने के बाद फ्रिट्ज़ अब तीसरे दौर में माटेओ अर्नाल्डी का सामना करेंगे, जिन्होंने 16वें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो सोनेगो को 7-5, 7-5 से हराया। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को मारिया सकारी ने 7-5, 7-6 (1) से हरा दिया। इस बीच वीनस विलियम्स और उनकी जोड़ीदार हैली बैप्टिस्ट का युगल में अभियान दूसरे दौर में चैंपियन टाईब्रेकर में दूसरी वरीयता प्राप्त टेलर टाउनसेंड और झांग शुआई की जोड़ी से 6-4, 3-6, 10-6 से हार के साथ समाप्त हो गया।

China Open Badminton: चाइना ओपन में सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, प्रणय को मिली हार

चांग्झू, एजेंसी। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने गुरुवार को इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, एचएस प्रणय 65 मिनट

तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21-18, 15-21, 8-21 से हारकर बाहर हो गए। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विक और चिराग को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि दोनों ही गेम में पलड़ा इधर से उधर झुकता रहा। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8-6 और बाद में 14-12 की मामूली बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 14-16 के स्कोर के बाद लगातार पांच अंक जीतकर 19-16 से बढ़त बना ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। एक समय लियो और बगास 14-10 की बढ़त बनाए हुए थे।

एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप

वेन्नाला कलागोटला और तन्वी शर्मा ने भारत को दिलाई शानदार शुरुआत

सोलो (इंडोनेशिया), एजेंसी। बैडमिंटन एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप 2025 में भारत ने शानदार शुरुआत की है। महिला एकल वर्ग में वेन्नला कालागोटला और तन्वी शर्मा ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारतीय अभियान को मजबूत बढ़त दिलाई। वेन्नला कालागोटला ने अलिसा कूलेशोवा को सिर्फ 15 मिनट में 21-6, 21-10 से शिकस्त दी। इसके बाद उन्होंने इंडोनेशिया की औबर्टा जर्लिना को 21-18, 21-16 से हराकर गुरुवार को होने वाले राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा ने यूएई की वैदेही कालिदासन को आसानी से 21-6, 21-6 से हराया, जबकि तन्वी रेड्डी ने चिओक इयान उंग को 21-9, 21-10 से पराजित किया।

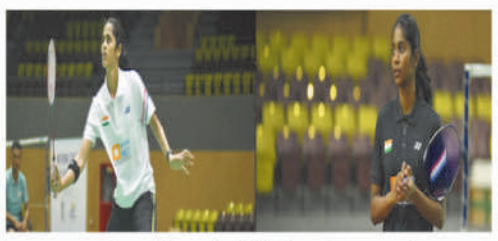

सिर्फ एक गोल से इतिहास रच गई ये खिलाड़ी

इंग्लैंड और स्पेन में महिला यूरो कप 2025 की फाइनल जंग

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला यूरो कप 2025 के ब्लॉकबस्टर मैच का इंतजार अब खत्म हो गया है। खिताबी भिड़ंत के लिए दो टीमें तय हो चुकी है। यूरो कप फाइनल मुकाबला रविवार, 27 जुलाई को स्विट्जरलैंड के बासेल में होगा। स्पेन और इंग्लैंड दोनों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। ऐसे में अब इन दोनों की टक्कर खिताबी भिड़ंत के लिए होगी। सेमीफाइनल में स्पेन की टीम ने रोमांचक अंदाज में जीत दर्ज की। जर्मनी के खिलाफ टीम ने एक मात्र गोल अतिरिक्त समय में किया।

स्पेन के लिए यह गोल ऐताना बोनमाटी ने किया जो टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में भर्ती थी। वहीं इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में इटली को 2-1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। बता दें कि लायनेसेस के नाम से मशहूर इंग्लैंड की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी शानदार डिफेंस और खतरनाक आक्रमण से विरोधियों की हालत खराब करके रखी है।

कप्तान लिया विलियमसन के नेतृत्व में अब टीम की कोशिश होगी कि वह लगातार दूसरे खिताब को अपने नाम करें। इंग्लैंड के लिए पूरे टूर्नामेंट में फॉरवर्ड बेथ मीड और एला टूने ने जीत के लिए अपना दम लगाया है। इसके अलावा गोलकीपर मैरी अर्प्स की चपलता से इंग्लैंड ने महत्वपूर्ण बचाव किए।

पहली बार यूरो कप के फाइनल में पहुंची है स्पेन

दूसरी ओर स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह बनाई है। स्पेन को ये जीत अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मिली है। दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी इसके बाद दो बार की बैलन डीओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था।

स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। स्पेन ने पिछले दो साल में विश्व कप और नेशंस कप जीते हैं और अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी। यूरो 2025 के लिए बोनमाटी की तैयारियां उस समय गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी जब टूर्नामेंट से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बार्सिलोना की मिडफील्डर को वायरल मैनिंजाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

ग्राम पंचायत बृजपुर की पांच लाख की सीसी सड़क एक ही बारिश में बह गई

सरपंच सचिव भ्रष्ट, उपयंत्री राकेश अरजरिया ने किया भ्रष्टाचार

पन्ना। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत बृजपुर में शांति धाम से बाघिन नदी तक बनी सी सी सड़क के निर्माण में गंभीर अनियमितताएँ सामने आई हैं. ग्रामीणों के अनुसार, सड़क की गुणवत्ता बेहद खराब है, जिसके कारण बारिश में सड़क बह गई और इसकी वास्तविक मोटाई 3 से 5 इंच ही निकली, जबकि नियमानुसार यह आठ इंच होनी चाहिए थी. उक्त सी सी सड़क पंच परमेश्वर योजना के तहत लगभग पांच लाख की लागत से बनाई गई

इस संबंध में जब जिम्मेदार अभियंता राकेश कुमार अर्जरिया से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बात करने से साफ इनकार कर दिया, जो उनकी लापरवाही को दर्शाता है।

पंचायत सचिव और ग्रामीणों का कहना है कि उक्त सड़क में भारी भ्रष्टाचार किया गया है जिले में सबसे भ्रष्ट उपयंत्री राकेश अरजरिया द्वारा यह घटिया काम कराया गया है। पंचायत सचिव का कहना है कि सड़क बारिश के चलते बह गई है और इसमें कोई कुछ नहीं कर सकता. वहीं, ग्रामीणों का मानना है कि यदि सड़क का निर्माण सही ढंग से और गुणवत्तापूर्ण सामग्री से किया गया होता तो यह बहती नहीं. उनका यह भी आरोप है कि इंजीनियर द्वारा सड़क के साथ नाली का निर्माण नहीं कराया गया, जिससे लाखों रुपये की। शासकीय राशि पंचायत की बर्बाद हुई है।

वर्तमान सरपंच शकुंतला अहिरवार पर भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि वे पंचायत के कार्यों को देखने कभी तक नही जाती ही नहीं हैं. उनके प्रतिनिधि ही सारे कार्य करते हैं, जिससे कार्यों की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है और भ्रष्टाचार की आशंका भी जताई जा रही है.

ग्रामीणों की मांग है कि इस मामले में उच्च अधिकारियों द्वारा जांच की जानी चाहिए ताकि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके और भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सके. ग्रामीणों की मांग है कि सड़क का पुन: निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए और साथ में नाली का भी निर्माण कराया जाए तथा दोषी सरपंच सचिव उपयंत्री पर कार्यवाही की जाए।

पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में यातायात ट्रैफिक वार्डन सदस्यो की बैठक संपन्न

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्णा एस थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह चौहान की उपस्थिति में थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक नीलम लक्षकार के द्वारा पुलिस काफ्रेंस हाल पन्ना में यातायात ट्रैफिक वार्डन सदस्यो की बैठक आयोजित की गयी बैठक में राहबीर योजना, कैशलेस योजना तथा जिले में संचालित नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के प्रति जागरूक किया गया । तथा शहर की यातायात व्यवस्था को दुरूस्त व सृदढ बनाने हेतु समझाईश दी गयी तथा नशे से दूर रहने की अपील की गयी ।एंव राहवीर योजना के तहत वाहन दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को गोल्डन आवर में नजदीकी अस्पताल, ट्रामा सेंटर पहुंचाकर मदद करने वाले व्यक्तियों को सड़क परिवहन एवं राज मार्ग मंत्रालय द्वारा 25 हजार रुपए नगद राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिए जाने के प्रावधान है । पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी ट्रैफिक वार्डन को यातायात ट्रैफिक व्यवस्था ड्यूटी हेतु टी शर्ट , कैप वितरण की गयी।

शराब ठेकेदार की मनमानी, जिला मुख्यालय से लेकर गांव गांव भेजी जा रही अवैध शराब

पन्ना। जिला हीरों झीलों एवं मंदिरो की पवित्र नगरी है जहा प्रदेश सरकार द्वारा शराब प्रतिबंधित हैं लेकिन शराब ठेकेदार द्वारा पवित्र नगरी के साथ साथ पुरे जिले में गाँव गाँव गली-गली शराब पहुंचाई जा रही है।

अभी हाल में प्रतिदिन अजयगढ़ शराब दुकान से दो पहिया एवं चार पहिया वहां से अवैध शराब गाँव गाँव पहुँचाने का काम ठेकेदार कर रहा हैं जिसका वीडियो शोसल मीडिया में खूब वायरल हो रहा हैं लेकिन प्रशासन कार्यवाही के नाम चुप्पी साधे बैठा हैं। अभी कुछ दिन पूर्व आबकारी विभाग द्वारा शराब दुकानों में क्यूआर लगवाएं गए थे तथा निर्धारित रेट सूची बनवाकर दुकानों में चस्पा करवाई गई थी जो फोटो सेशन तक सीमित रहा क्यू आर कोड लगाने के दूसरे दिन ही शराब ठेकेदार द्वारा हटवा दिए गए। आबकारी विभाग के संरक्षण में ठेकेदार के द्वारा मनमानी रेट पर शराब बेंची जा रही है शराब ठेकेदार खुद अपने वाहन से ग्रामीण अंचलों में जगह-जगह शराब पहुँचाने का काम कर रहा है।

आबकारी अमला

शहर में ठेकेदार की अवैध शराब पकड़ने में आबकारी विभाग का उड़न दस्ता नाकाम कहे या फिर ठेकेदार के साथ आबकारी विभाग की मिली भगत।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए जुगल किशोर मंदिर पहुंचकर आवश्यक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा के साथ बुधवार को पन्ना नगर के श्री जुगल किशोर मंदिर पहुंचकर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा वर्तमान श्रावण माह में आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों तथा आगामी 16 अगस्त को जन्माष्टमी पर्व के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में मंदिर पदाधिकारियों के साथ चर्चा की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना चौहान, एसडीओपी एस.पी.एस. बघेल, एसडीएम संजय कुमार नागवंशी, तहसीलदार अखिलेश प्रजापति, थाना प्रभारी कोतवाली रोहित मिश्रा, यातायात प्रभारी नीलम लक्षकार भी उपस्थित रहीं। निरीक्षण के दौरान अधिकारीद्वय ने विभिन्न दिवसों पर श्रद्धालुओं के आवागमन के दृष्टिगत सुलभ दर्शन व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सलेहा थाना प्रभारी बलवीर सिंह ने थाना स्टाफ संग क्यूआर कोड को लेकर किया जागरूक

पन्ना। तकनीक के इस युग में हर सेवा और सुविधा को स्मार्ट किया जा रहा है इसी तरह एमपी पुलिस द्वारा थाने में क्यूआर कोड लगाकर नागरिकों को स्मार्ट सुविधा मुहैया कराई गई है इससे नागरिक अपने पुलिस को सुझाव शिकायत अनुभव साझा कर सकेंगे एमपी पुलिस की इसी पहल के तहत सलेहा थाना प्रभारी बलवीर सिंह ने थाना स्टाफ के साथ थाना परिसर में क्यूआर कोड हाथों में पकड़कर क्यूआर कोड के महत्व को बताकर जागरूकता अभियान चलाया थाना प्रभारी

बलवीर सिंह ने कहा कि क्यूआर कोड का उपयोग करके, लोग आसानी से पुलिस सेवाओं के बारे में अपनी राय दे सकते हैं और पुलिसकर्मियों के कामकाज का मूल्यांकन कर सकते हैं। इससे पुलिस विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी पुलिस विभाग ने एक नई पहल शुरू की है, जिसके तहत हर थाने में एक क्यूआर कोड लगाया गया है। इस क्यूआर कोड के माध्यम से, आम जनता न केवल थाने बल्कि पुलिसकर्मियों और थाना प्रभारियों के कार्यों का भी मूल्यांकन कर सकती है थाना प्रभारी कहते- है कि पुलिस के द्वारा चलाया गया यह अभियान नागरिकों की सुविधा हेतु पुलिस का अनोखा प्रयास है। अब नागरिक अपने सुझाव अनुभव व्योहार को क्योर कोड का उपयोग कर सीधे अधिकारियों तक पहुंचा सकेंगे।

समाधान आनलाइन कार्यक्रम 30 जुलाई को

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 30 जुलाई को सायं 4 बजे वीडियो कान्फ्रेंसिंग से आयोजित समाधान आनलाइन कार्यक्रम में निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा करेंगे। बैठक में समाधान आनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की जाएगी। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को कमिश्नर कार्यालय और कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी केन्द्र से वीडियो कान्फ्रेंसिंग में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

पटपरी गांव (गिधौडा) मे उल्टी-दस्त का प्रकोप

पटपरी गांव में आधा सैकड़ा से ज्यादा लोग बीमार,स्वास्थ्य विभाग की टीम कर रही इलाज

पन्ना। पन्ना जिले के शाहनगर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खमतरा के ग्राम पटपरी गिधौडा गांव में आधा सैकड़ा लोग उल्टी दस्त के चलते बीमार हो गए हैं। । जिनका इलाज स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा गांव और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहनगर मे किया जा रहा है किन कारणों के

चलते इतने लोग बीमार हुए हैं यह भी स्पष्ट नहीं हुआ है हो सकता है दूषित पानी पीने से लोगों को उल्टी दस्त की बीमारी हो रही है इनका कहना है उल्टी दस्त से पीड़ित सभी का इलाज किया जा रहा है स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर इलाज किया है तथा कुछ ज्ञात होकी पटपरी गिधौडा गांव मे 21 जुलाई को जानकारी मिली थी कि मौसमी बीमारी से लोग गांव मे बीमार हुए हैं। कुछ लोगों को उल्टी दस्त की भी शिकायत हो रही थी। मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजाकर ग्रामीणों का इलाज किया। कुछ गंभीर रूप से बीमार लोगों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहनगर और कटनी जिला चिकित्सालय भेजा गया ।गांव में उल्टी दस्त की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य आमला की टीम गांव पहुंच गई है। जो वहीं पर बीमार लोगों का इलाज कर रही है। पटपरी गांव के ग्रामीणों की माने तो तीन चार दिनों से गांव में बीमारी फैल रही है। हर घर में कोई न कोई बीमार है।पटपरी निवासी पीड़ित राम विनोद पाण्डेय, ने बताया है कि गांव के आधा सैकड़ा के लगभग लोग उल्टी-दस्त के बिमारी से पीड़ित है मै रात भर उल्टी-दस्त के प्रकोप से परेशान रहा हू अब कुछ राहत है वही अभी परिवार के अन्य सदस्य बिमारी से पीड़ित है वही अन्य ग्रामीणो के साथ रामसुजान पाण्डेय भी उल्टी-दस्त के प्रकोप से पीड़ित है जिनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहनगर मे भर्ती कराया था जब उनके स्वास्थ्य मे सुधार नही होने पर कटनी जिला चिकित्सालय रेफर किया गया जहांपर पर प्राइवेट अस्पताल कटनी मे उपचार जारी है

इनका कहना है

स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा गांव पहुंचकर इलाज किया जा रहा है तथा कुछ शाहनगर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती हैं उनका भी इलाज चल रहा है सर्वेश लोधी बीएमओ शाह नगर जिला पन्ना।

हरियाली अमावस्या के दिन महिलाओं ने ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

सतना। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं म.प्र. जन अभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव ने आज परिषद के नवाचारी कार्यक्रम नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा का शुभारंभ किया। पर्यावरण संरक्षण में उनकी सतत और सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा पर केन्द्रित इस अभियान का प्रमुख उददेश्य नारी शक्ति के माध्यम से स्वैच्छिकता के आधार पर पर्यावरण संरक्षण करना है। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में नारी शक्ति को नवांकुर संस्थाओं द्वारा नवांकुरित पौधे

उपहार में दिए जाएंगे। जिसका संरक्षण कर प्रतिवर्ष रक्षाबंधन पर्व पर पौधों को भाई के रूप में राखी बांधकर महिलाएं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेंगी। इस आयोजन के अंतर्गत प्रत्येक सेक्टर में 100 महिलाएं नवांकुर सखी के रूप में पंजीकृत की गई हैं। ये नवांकुर सखियां 11 बीज रोपित एवं अंकुरित पौध रोपित थैलियों के माध्यम से अपने घर की बगिया में पौधे विकसित करेंगी। विकसित पौधों को रोपण लायक होने की स्थिति में एक पेड़ मां के नाम अभियान में शासकीय या निजी भूमि में परिवार महत्व के अवसरों पर रोपित किया जायेगा। ये पौधे एक पेड़ मॉ के नाम अभियान में आगामी वर्षों में रोपण हेतु 24 से 28 जुलाई तक आयोजित इस अभियान में आवश्यक सहयोग एवं भागीदारी सुनिश्चित करायेंगे। जिला समन्वयक जन अभियान परिषद डॉ राजेश तिवारी द्वारा बताया गया कि 24 जुलाई 2025 हरियाली अमावस्या के दिन जिले के सभी विकासखण्डों कि विभिन्न सेक्टरों क्रमश: सतना, सोहावल,, नागौद, कचलोहा, उचेहरा, लोहरौरा, मझगवां, बिरसिंहपुर, रामपुर बाघेलान, कोटर, अमरपाटन, मौहट, रामनगर, बडा इटमा एवं मैहर के गोरईयाकला में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा आयोजित की गई।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को अब निजी अस्पतालों में भी मिलेगा मुफ्त इलाज

सतना। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नगद रहित उपचार योजना, 2025 लागू कर दी गई है। इस योजना का उद्देश्य सड़क हादसे में घायल व्यक्तियों को दुर्घटना की तारीख से 7 दिन के भीतर अधिकतम 1.5 लाख तक कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने बताया कि सभी निजी चिकित्सालयों, नर्सिंग होम्स एवं अस्पतालों को जारी निर्देशों के अनुसार डिज़िग्नेटेड अस्पतालों के साथ-साथ नॉन-डिज़िग्नेटेड अस्पताल भी इस योजना के दायरे में रहेंगे। डिज़िग्नेटेड अस्पतालों को आयुष्मान भारत निरामय योजना के तहत अधिकृत किया गया है और ये आयुष्मान पोर्टल व पॉलिसी मैनेजमेंट सिस्टम में पंजीकृत होंगे। नॉन-डिज़िग्नेटेड अस्पतालों को इलाज उपरांत भुगतान प्राप्त करने हेतु एचएफआर हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। इसको बनाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित है। स्टेब्लाइजेशन पैकेज के अंतर्गत प्राथमिक उपचार की अनुमति दी गई है। दुर्घटना की तारीख से 7 दिन की समय-सीमा तक पीड़ित 1.5 लाख तक के कैशलेस इलाज का लाभ ले सकेंगे। उपचार केवल सूचीबद्ध (नामित) अस्पतालों में ही किया जाएगा। आपातकालीन स्थिति या रेफरल के आधार पर ही अन्य अस्पतालों में इलाज संभव होगा। अस्पताल में पीड़ित के पहुंचते ही तुरंत उपचार प्रारंभ किया जाएगा।

प्रतिभाशाली बच्चों को श्रेष्ठ संस्थानों में प्रवेश के लिये निशुल्क कोचिंग व्यवस्था

प्रवेश के लिये बच्चे 26 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

सतना। स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश में प्रतिभाशाली बच्चों को देश के श्रेष्ठ संस्थानों में प्रवेश की कोचिंग के लिये सुपर 100 योजना संचालित कर रहा है। कोचिंग के लिये चयनित बच्चों को विभाग शासकीय सुभाष उच्च.मा.विद्यालय भोपाल और शासकीय मल्हार आश्रम उच्च.मा.विद्यालय इंदौर में निशुल्क कोचिंग के साथ आवासीय सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के अनेक बच्चों को देश के चयनित इंजीनियरिंग, मेडिकल, लॉ और मैनेजमेंट से जुड़े कॉलेजों में प्रवेश मिला है।

सुपर 100 योजना में मेघावी विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये नि:शुल्क कोचिंग प्रदान किये जाने की व्यवस्था है। इस योजना में प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कक्षा 10वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों का परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाता है। इस वर्ष राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन 26 जुलाई तक दिये जा सकते हैं। परीक्षा की तिथि 3 अगस्त 2025 रविवार को प्रथम पाली में जेईई के लिये और द्वितीय पाली में नीट की परीक्षा होगी। परीक्षा केन्द्र प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय के उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय में बनाये गये हैं। परीक्षा फार्म शुल्क 200 रूपये प्रति छात्र निर्धारित किये गये हैं। पिछले वर्ष इंदौर और भोपाल के सुभाष उच्च.मा.विद्यालय में करीब 300-300 विद्यार्थियों को नि:शुल्क कोचिंग के साथ आवासीय सुविधा दिलाई गई थी। चयनित बच्चों को नि:शुल्क छात्रावास सुविधा, आधुनिक प्रयोगशाला, स्मार्ट एवं वर्चुअल क्लासेस और बच्चों को करियर काउंसलिंग की बेहतर व्यवस्था रहती है। सुपर 100 योजना के माध्यम से बच्चों को एम्स, आईआईटी के साथ देशभर के अनेक कॉलेजों में प्रवेश मिला है। लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को चयन प्रतियोगी परीक्षा में अधिक से अधिक छात्र शामिल हो सकें, इसके लिये योजना की जानकारी दिये जाने के निर्देश दिये हैं। आवेदन पर किये जा सकते हैं। परीक्षा का प्रवेश पत्र वेबसाइट अथवा मोबाइल एप उचेवे से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

सतना। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के पर्यटन गंतव्यों व गतिविधियों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिए 26 और 27 जुलाई 2025 को रीवा के कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने जिला प्रशासन एवं डीएटीसीसी के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों एवं निवेशकों होटल, रिसार्ट, व्यवसायी, टूर ऑपरेटर्स की सक्रिय सहभागिता करने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी विद्याचरण तिवारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही इनके सहयोग के लिए शाखा प्रभारी के रूप में प्रभारी लिपिक को नियुक्त किया गया है। समस्त गतिविधियां अपर कलेक्टर मैहर शैलेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में आयोजित की जायेंगी।

कलेक्टर और एसपी ने कार्यक्रम स्थल की तैयारियों का लिया जायजा

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 26 जुलाई को सतना जिले में नागौद विकासखण्ड के ग्राम हरदुआ और रैगांव विधानसभा क्षेत्र के सिंहपुर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम जीतेन्द्र वर्मा, एलआर जांगडे सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने सिंहपुर के

हेलीपैड और आम सभास्थल स्टेडियम का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उनहोंने सभा स्थल पर मंच, बेरिकेटिंग, बैठक व्यवस्था, पेयजल एवं प्रसाधन सुविधा, वाहन पार्किंग तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। इसके पश्चात स्टेडियम सिंहपुर के निकट पटपरनाथ धाम में अधिकारियों की बैठक लेकर आयोजन के संबंध में जिम्मेदारियां दी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 26 जुलाई को सतना जिले के नागौद विकासखण्ड में हरदुआ और सिंहपुर में कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव हरदुआ में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के पितामह स्व. जीवनदास बागरी के निवास पहुंचकर स्व. जीवन दास बागरी के निधन पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हेलीकाप्टर से सिंहपुर जायेंगे और वहां स्टेडियम में आयोजित महिला सम्मेलन और आमसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के जिले में संभावित प्रवास के दृष्टिगत हरदुआ और सिंहपुर में हेलीपैड बनाये गये हैं।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, शुक्रवार 25 जुलाई 2025 | 8

उप मुख्यमंत्री ने रीवा नगर निगम के महापौर अजय मिश्रा के बड़े भाई अरूण मिश्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्व. मिश्रा के निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि दी तथा शोक संवेदना प्रकट की।

धरती का श्रृंगार हैं वृक्ष : उप मुख्यमंत्री

माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के रीवा परिसर में किया गया वृक्षारोपण

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि धरती का श्रृंगार वृक्ष हैं। वृक्षारोपण के महाअभियान में सभी अपनी सहभागिता निभायें तथा रीवा को हराभरा व सुंदर बनाने में योगदान दें। उप मुख्यमंत्री ने हरियाली महोत्सव में एक पेड़ माँ के नाम अभियान में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय रीवा परिसर में दुर्लभ तमाल का पौधा रोपा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, कमिश्नर रीवा संभाग श्री बीएस जामोद, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, वनमण्डाधिकारी लोकेश निरापुरे सहित जनप्रतिनिधियों व

प्रबुद्धजनों ने वृक्षारोपण किया।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय के बलदेव सिंह सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि वृक्षारोपण महाअभियान का आज शुभारंभ हो रहा है। रीवा शहर के चयनित स्थलों व सड़क के किनारे डेढ़ लाख पौधे लगाये जायेंगे। इससे पूर्व नगर वन एवं अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय शहरवासियों के लिये उपलब्ध हैं। पीटीएस, वेटनरी कालेज तथा इंजीनियरिंग कालेज की भूमि में वृहद वृक्षारोपण होगा और यह शहर के लिये सौगात होगी। श्री शुक्ल ने कहा कि सघन वृक्षारोपण के कारण बड़े शहर सुंदर दिखाई देते हैं हमारा रीवा भी आने वाले समय में वृक्षों से अच्छादित हरीतिमा युक्त शहर होगा। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी का आहवान किया कि वृक्षारोपण में मददगार बनें क्योंकि वृक्ष आक्सीजन की कमी को दूर करते हैं और यह मानव समाज की चुनौती को संतुलित करते हैं। उप मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजन के लिये आयोजक जयराम शुक्ल को साधुवाद दिया जिनके प्रयासों से पत्रकारिता विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण में संस्कृति कर्मी, साहित्यकार, पत्रकार, विद्वतजन एवं छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि उप मुख्यमंत्री जी की संकल्पना एवं समाज की भागीदारी से 15 जून से 15 सितम्बर तक रीवा शहर में डेढ़ लाख पौधे लगाये जायेंगे। शहरी क्षेत्र में विभिन्न संगठनों व आमजनों ने पेंड दान किये हैं जिन्हें निर्दिष्ट स्थलों में रोपा जा रहा है। जितने पेड़ लगाये जायेंगे उनकी सुरक्षा भी की जायेगी। ग्रामीण क्षेत्र में कम्यूनिटी एवं व्यक्तिगत तौर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। सांसद जी के प्रयासों से मुनगा के एक लाख पौधे लगाये जा रहे हैं। वन विभाग भी 3 लाख 50 हजार पौधे लगा रहा है। आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे ने अपने उद्बोधन में बताया कि शहर में डेढ़ लाख पौधों के रोपण किया जा रहा है जिसमें स्वयंसेवी संस्था, शैक्षणिक संस्थान, व्यापारी संघ, उद्योगपति तथा अन्य लोग भी 25 हजार पेड़ दान कर चुके हैं। वृक्षारोपण कर दो वर्ष तक नगर निगम इनकी सुरक्षा करेगा। उन्होंने लोगों से इस अभियान में और अधिक जुड़ने का आह्वान किया।

निगम आयुक्त के निर्देशानुसार की गई चालानी कार्यवाही

रीवा। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार स्वच्छता टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 18 के कोर्ट परिसर से लेकर शिल्पी प्लाजा एवं चक्रधर सिटी मार्केट क्षेत्र में चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान दुकानों के बाहर गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग करने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई करते हुए कुल 6000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। स्वच्छता टीम द्वारा दुकानदारों को समझाइश दी गई कि वे अपनी दुकानों के बाहर गंदगी न फैलाएं और कचरे के निस्तारण के लिए डस्टबिन का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग पूरी तरह वर्जित है और भविष्य में पुनरावृत्ति की स्थिति में सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान स्वच्छता निरीक्षक, वार्ड दरोगा, अतिक्रमण टीम और आईईसी टीम मौजूद रही ।

कलेक्टर ने पर्यटन कॉन्क्लेव की तैयारियों का लिया जायजा

रीवा। रीवा में 26 और 27 जुलाई को पर्यटन कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 26 जुलाई को शाम 4 बजे कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में की जा रही पर्यटन कॉन्क्लेव की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने कहा कि कॉन्क्लेव में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण तथा विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। मुख्य हाल में इनके बैठने की समुचित व्यवस्था करें। मुख्यमंत्री जी तथा उप मुख्यमंत्री जी के आगमन मार्ग एवं मंच की साज-सज्जा के संबंध में निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार तैयारी करें। कलेक्टर ने पर्यटन कॉन्क्लेव के प्रचार-प्रसार, वाहनों की पार्किंग व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, प्रदर्शनी की तैयारियाँ तथा अतिथियों के स्वागत के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। मौके पर उपस्थित आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी तथा पर्यटन विभाग अधिकारियों एवं नोडल एजेंसी के प्रतिनिधियों ने कॉन्क्लेव के लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी दी।

क्षेत्रीय पर्यटन कान्क्लेव का आयोजन 26 एवं 27 जुलाई को

कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

रीवा

क्षेत्रीय पर्यटन कान्क्लेव का आयोजन कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में 26 एवं 27 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सफल आयोजन के लिये अधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे हैं। आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे कान्क्लेव के प्रभारी अधिकारी होंगे तथा अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह कानून, यातायात, पार्किंग एवं संपूर्ण सुरक्षा का दायित्व संभालेंगी। विशिष्ट अतिथियों एवं अन्य अतिथियों व वीआईपी के पास का दायित्व सीईओ जिला पंचायत एवं एपीओ स्वच्छता श्रीमती फरहद जैब को सौंपा गया है।

कान्क्लेव स्थल में साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, अतिथियों के लिये आवास व्यवस्था का दायित्व संबंधित अधिकारियों को सौंपा गया है। विशिष्ट अतिथियों तथा कलाकारों के लिये वाहन, आवास, भोजन आदि का दायित्व विभागीय अधिकारी संभालेंगे। कार्यक्रम स्थल में चिकित्सा एवं फूडजोन के लिये भी अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये है। कार्यक्रम स्थल में आयोजित होने वाली प्रदर्शनी व कंट्रोल रूम के लिये प्रभारी अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। आयोजन के प्रचार प्रसार का दायित्व जनसंपर्क विभाग के उप संचालक उमेश तिवारी व पीआरओ शिवप्रसन्न शुक्ल को सौंपा गया है। पर्यटन कान्क्लेव के द्वितीय दिवस में अतिथियों को पुरवा जल प्रपात, बसामन मामा गौ अभयारण्य तथा किला एवं बाघेला म्यूजियम के भ्रमण के लिये भी अधिकारी नियुक्त किये गये हैं।

पर्यटन कॉन्क्लेव से विन्ध्य में पर्यटन को नया आयाम मिलेगा

विन्ध्य की पर्यटन संभावनाओं को अवसर में बदलेगा कॉन्क्लेव : उप मुख्यमंत्री

रीवा। रीवा में 26 और 27 जुलाई को पर्यटन कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने नवीन सर्किट हाउस के सभागार में आयोजित बैठक में कॉन्क्लेव के तैयारियों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव में विन्ध्य के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों तथा पर्यटन स्थलों की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। पर्यटन से जुड़े होटल उद्योग, वाहन उद्योग, सांस्कृतिक तथा सामाजिक संगठन, टूर आपरेटर्स, टूरिस्ट गाइड आदि भी इसमें शिरकत करेंगे। पर्यटन के विकास से

विन्ध्य में रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। कॉन्क्लेव में दूसरे दिन पर्यटन के विकास से जुड़े विभिन्न आयामों पर विचार मंथन किया जाएगा। इसमें कालेज के पर्यटन विभाग के प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों को भी शामिल करें। कॉन्क्लेव में 500 से अधिक डेलिगेट्स रीवा आ रहे हैं। हम ऐसी व्यवस्था करें कि इनके मन में स्वच्छ, सुंदर और आकर्षक रीवा की छवि इनके साथ जाए। उप मुख्यमंत्री ने नगर की साज-सज्जा के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र में सुरम्य प्राकृतिक स्थल, मनोहारी जलप्रपात, भव्य मंदिर और ऐतिहासिक इमारते हैं। विन्ध्य में कई टाईगर रिजर्व और अभ्यारण्य पर्यटन के बड़े केन्द्र हैं। यहाँ की प्रचुर वन संपदा, नदियाँ और अन्य प्राकृतिक स्थल लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। यहाँ अधोसंरचना का समुचित विकास न होने से पर्यटन को गति नहीं मिली। लेकिन अब विन्ध्य में चारों ओर फोरलेन सड़कें, रेलवे और हवाई सेवा की उपलब्धता है। अच्छे होटलों का तेजी से विकास हो रहा है। विन्ध्य शीघ्र ही पर्यटन में तेजी से विकास करेगा। रीवा में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 26 जुलाई को पर्यटन कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे। यह दो दिवसीय पर्यटन कॉन्क्लेव विन्ध्य में पर्यटन को नया आयाम देगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य में मैहर में माँ शारदा माता का मंदिर, चित्रकूट धाम, देवतालाब और रीवा के शिव मंदिर लाखों लोगों की आस्था के केन्द्र हैं। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने पर्यटन कॉन्क्लेव के प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री जी 26 जुलाई को कॉन्क्लेव का विधिवत शुभारंभ करेंगे। उद्घाटन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

चिरहुला तालाब में श्रमदान कर घाट एवं परिसर को साफ स्वच्छ किया गया

रीवा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत चलाए जा रहें स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) थीम पर आधारित ''सफाई अपनाओ, बीमारी भागाओं'' अभियान के तहत निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार नगर निगम की आईईसी टीम द्वारा 23 जुलाई को जोन क्रमांक 04 वॉर्ड क्रमांक 43 स्थित चिरहुला तालाब में सफाई मित्रों के साथ नागरिकों ने श्रमदान कर घाट एवं परिसर को साफ स्वच्छ किया गया। इसी के साथ जोन क्र. 02 वार्ड 18 शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तंड क्रमांक 01 स्कूल में नगर निगम की आईसी टीम द्वारा ''सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओं'' अभियान के तहत विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को बारिश के मौसम में होने वाली विभिन्न तरह की बीमारियों से बचाव हेतु विशेष जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि सबसे पहले स्वयं को, अपने घर को, अपने आस-पड़ोस मोहल्ले को एवं शहर को साफ स्वच्छ रखें। जिससे वर्षाजनित बीमारियां ना पनपें और हम इन बीमारियों से सुरक्षित रहे। इस दौरान विद्यालय परिसर में उपस्थित सभी अध्यापकों व छात्र-छात्राओं को ''सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओं'' अभियान के तहत स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई।

उप मुख्यमंत्री ने रीवा महापौर के बड़े भाई के निधन पर शोक प्रकट किया

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा नगर निगम के महापौर अजय मिश्रा के बड़े भाई अरूण मिश्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्व. मिश्रा के निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि दी तथा शोक संवेदना प्रकट की।

निगम आयुक्त ने कोठी कंपाउंड स्थित चौपाटी के व्यवसायियों के साथ की बैठक

रीवा। निगम सभागार में निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने कोठी कंपाउंड स्थित चौपाटी के व्यवसायियों के साथ बैठक की। बैठक का उद्देश्य चौपाटी को सुव्यवस्थित करने के लिए निगम द्वारा तैयार की गई योजना पर चर्चा करना था। इस योजना के तहत वहां कमर्शियल भवन, फूड ज़ोन और पार्किंग की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसी उद्देश्य से वहां व्यवसाय कर रहे चौपाटी व्यवसायियों से सार्थक संवाद किया गया। बैठक में व्यवसायियों से योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई और उनके सुझावों और शंकाओं को गम्भीरता से सुना गया। आयुक्त डॉ. सोनवणे ने आश्वस्त किया कि वर्तमान में यहां व्यवसाय कर रहे सभी व्यवसायियों को व्यवस्थित एवं नियमबद्ध तरीके से दुकानें उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस योजना में व्यवसायियों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है ताकि किसी का रोजगार प्रभावित न हो। निगमायुक्त ने व्यवसायियों से अपील की कि सभी व्यवसायी स्वच्छता, फूड रजिस्ट्रेशन एवं अन्य सभी नियामकीय प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर निगम द्वारा प्रदत्त सुविधाएं व्यवस्थित रूप से प्रदान की जाएंगी। व्यवसायियों ने निगम की इस पहल का स्वागत करते हुए सहमति जताई। इसके साथ ही व्यवसायियों ने निगमायुक्त को रीवा को स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी। इस दौरान कार्यपालन यंत्री श्री राजेश सिंह, उपायुक्त श्री एम एस सिद्दकी, सहायक आयुक्त श्री रामनरेश तिवारी, सहायक यंत्री श्री एसके गर्ग, अभिनव चतुर्वेदी, सहायक राजस्व अधिकारी श्री रावेंद्र सिंह, श्री नीलेश चतुर्वेदी एवं चौपाटी के व्यवसायी उपस्थित रहे।

अनंत जल रश्मियों की अनुपम छटा बिखेरते विन्ध्य के जल प्रपात

रीवा। गिरने को अच्छा नहीं माना जाता है, लेकिन वर्षा जल से नवयौवन को प्राप्त नदियों की अथाह जलराशि ऊंचे पर्वतखण्डों से नीचे गिरकर जलप्रपात बनाती है तो गिरना भी सार्थक हो जाता है। प्राचीन काल से पूरा विन्ध्य क्षेत्र घने वनों, दुर्गम पर्वतों, वन्य प्राणियों और ऋषि मुनियों से समृद्ध प्रदेश रहा है। विन्ध्य पर्वतमाला की कई छोटी-बड़ी नदियां वर्षाकाल में अपार जलराशि के साथ सुंदर जलप्रपातों का निर्माण करती हैं। रीवा और मऊगंज जिले में चार बड़े और आकर्षक जल प्रपात हैं। इन जलप्रपातों में जून से दिसम्बर माह तक पर्यटकों की भीड़ रहती है। वर्षाकाल में नदियों की अनंत जल रश्मियाँ जलप्रपातों में घोर

गर्जना के साथ सौन्दर्य की अनुपम छटा बिखेरती हैं। जलप्रपातों के मामले में विन्ध्य देश का सबसे समृद्ध क्षेत्र है। लगभग 50 किलोमीटर के दायरे में यहाँ अलग-अलग नदियों पर चार बड़े जलप्रपात स्थित हैं। इनका समुचित विकास होने पर इन्हें पर्यटन के बड़े केन्द्रों के रूप में विकसित किया जा सकता है।

पुरवा जलप्रपात- यह जलप्रपात रीवा से केवल 35 किलोमीटर दूर स्थित है। यह जलप्रपात अपनी प्राकृति सुंदरता भौगोलिक महत्व और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। पुरवा जलप्रपात में टमस नदी 230 फिट ऊपर से गिरकर सुंदर प्रपात का निर्माण करती है। पुरवा जलप्रपात विन्ध्य के अन्य प्रपातों की तुलना में अधिक चौड़ा है। नदी में अच्छा पानी होने पर इसकी गर्जना दूर से सुनाई देती है। इसके चारों ओर सुरक्षा के लिए बाउन्ड्रीवॉल बना दी गई है। इसके पास पर्यटन विभाग तथा वन विभाग का गेस्टहाउस भी है। रीवा से आसानी से पुरवा प्रपात पहुंचा जा सकता है।

चचाई जलप्रपात-चचाई जलप्रपात मध्यप्रदेश का छिपा हुआ रत्न है। यह रीवा शहर से 45 किलोमीटर दूर है। यहाँ बीहर नदी 430 फिट की ऊंचाई से गिरकर आकर्षक जलप्रपात का निर्माण करती है। यह क्षेत्र घने वनों और प्राकृतिक सौन्दर्य से भरा हुआ है। यहाँ पानी ऊंचाई से गिरकर संकरी घाटी में गिरकर शक्तिशाली धारा के रूप में दिखाई देता है।

डेंगू और मलेरिया बचाव जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

रीवा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जुलाई माह को डेंगू निरोधक माह के रूप में मनाया जा रहा है। जिले भर में अभियान चलाकर लोगों को डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में रीवा नगर निगम के वार्ड क्रमांक 15 में निजी स्कूल संस्कार पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन जिला मलेरिया कार्यालय तथा फैमिली हेल्थ इंडिया संस्था के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में एंबेड परियोजना की समन्वयक श्रीमती कंचन सिंह ने विद्यार्थियों को पोस्टर और ब्रोशर्स के माध्यम से डेंगू और मलेरिया रोग के प्रमुख लक्षणों तथा उपचार की जानकारी दी। मच्छरों से बचाव के लिए घरों के आसपास, पुराने बर्तनों, टायर, गमलों आदि में पानी जमा न होने देने तथा घड़े, पानी की टंकी आदि की नियमित साफ-सफाई की सलाह दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि मच्छरों से बचाव के लिए सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। शरीर पूरी तरह से ढका रहे ऐसे कपड़ों का उपयोग करें। सिरदर्द, जोड़ों में दर्द और बुखार की शिकायत होने पर शासकीय अस्पताल में डेंगू और मलेरिया की निःशुल्क जाँच कराएं। डॉक्टरों की सलाह के अनुसार समुचित दवा लेकर इन दोनों रोगों से पूरा बचाव हो जाता है।

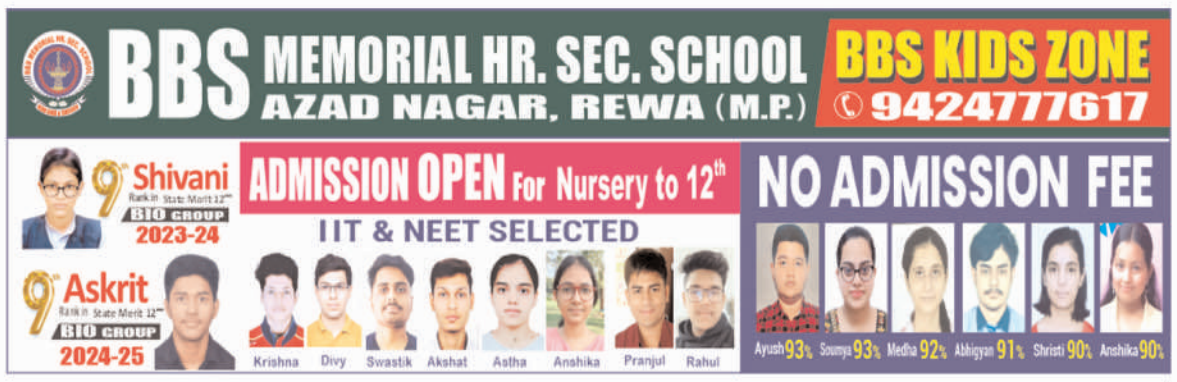

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833